www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 231 । भोपाल, सोमवार 21 अगस्त 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

बेटी को ससुराल भेजने से मना किया तो दामाद और समधी-समधन ने की मारपीट पृष्ठ 2

▪ जातिगत जनगणना ही करेगी हिन्दू- मुसलमान राजनीति का मुकाबला! पृष्ठ 4

▪ एक ही रात में 2 सूने मकानों में चोरी, तीसरे घर में भी सेंध लगाने का प्रयास पृष्ठ 6

मजदूरों के हित में सर्वाधिक योजनाएँ अमल में लाने वाला राज्य बना मध्यप्रदेश पृष्ठ 8

सार-समाचार

नीट के खिलाफ द्रमुक की भूख हड़ताल शुरू

चेन्नई, एजेंसी। द्रमुक युवा विंग ने एमबीबीएस में प्रवेश के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (एनईईटी-नीट) को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय भूख हड़ताल शुरू की। चेन्नई के वल्लुवर कोट्टम में विधायक उदयनिधि स्टालिन के साथ द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों एस. दुरईमुरुगन, एम. सुब्रमण्यम, पी.के. शेखर बाबू, पार्टी के सांसद, विधायक और चेन्नई की महापौर आर. प्रिया ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

15 करोड़ की कोकीन के साथ दो गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में 1496 ग्राम कोकीन की तस्करी करने के आरोप में एक भारतीय यात्री को गिरफ्तार किया है। इस कोकिन की कीमत मार्केट में 15 करोड़ रुपए बातई जा रही है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी है। बाद में, कोकीन प्राप्त करने वाली युगांडा देश की महिला को भी पकड़ लिया गया।

गहरी खाई में गिरी बस, 8 की मौत

गंगोत्री, एजेंसी। उत्तराखंड के गंगोत्री नेशनल हाईवे पर गंगनानी के पास रविवार शाम को एक बस खाई में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। 27 लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से 10 की हालत गंभीर है। बस में 32-33 पैसेंजर्स सवार थे।

उत्तरकाशी ने बताया कि बस 50 मीटर गहरी खाई में गिरी है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। बताया जा रहा है बस में गुजरात के लोग सवार थे। ये गंगोत्री धाम की यात्रा करके लौट रहे थे। गंगनानी के पास ड्राइवर ने बस पर कंट्रोल खो दिया। इससे बस क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए 50 मीटर गहरी खाई में लुढ़कने के बाद पेड़ों के बीच जाकर अटक गई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा- हादसे में कुछ लोगों की जान जाने और कुछ के घायल होने की खबर मिली है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। ईश्वर हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा को शांति दे। सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

डीआरडीओ का ड्रोन हुआ दुर्घटनाग्रस्त

बेंगलुरु, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित किया जा रहा एक तापस ड्रोन कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के एक गांव में परीक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं जहां ग्रामीण एक कृषि क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त ड्रोन को देखते हुए दिखाई दे रहे हैं। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय से दुर्घटना के बारे में जानकारी ले रहा है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

जंतर-मंतर पर नूंह हिंसा पर पंचायत की अनुमति रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को जंतर-मंतर पर नूंह हिंसा पर आयोजित पंचायत को आगे बढ़ाने की अनुमति रद्द कर दी, क्योंकि कुछ व्यक्तियों ने अपने भाषणों के दौरान कथित तौर पर विवादास्पद टिप्पणियां की थीं। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा पर चर्चा के लिए अखिल भारतीय सनातन महासंघ की ओर से पंचायत का आयोजन किया गया था। बिट्टू बजरंगी के बारे में भी चर्चा होनी थी, जिस पर 31 जुलाई को हिंसा के दौरान भीड़ को उकसाने का आरोप है।

त्रिपुरा में आवासीय विद्यालय के 12 छात्र अस्पताल में भर्ती

अगरतला। त्रिपुरा में खोवाई जिले के एक आवासीय विद्यालय में बीमार पड़ने के बाद 12 छात्राओं को तेलियामुरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जूनियर सेक्शन के छात्र शनिवार को अचानक पेट खराब, उल्टी और सांस लेने में समस्या से पीड़ित हो गए और उन्हें तेलियामुरा उप-विभागीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि वे सभी खतरे से बाहर हैं और यह स्वास्थ्य समस्या अत्यधिक गर्मी और आर्द्र मौसम में खाद्य विषाक्तता के कारण हो सकती हैं।

---

20 साल की उपलब्धियों का दिया ब्यौरा

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने जारी किया प्रदेश सरकार का रिपोर्ट कार्ड, कहा-

भाजपा सरकार ने मप्र को बेमिसाल राज्य बनाया

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के वरिष्ठ नेता, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद से 2003 तक ज्यादातर समय कांग्रेस की ही सरकारें रही हैं। इन सरकारों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया। एक समय मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल था, जो देश के विकास में बाधक थे। 2003 में प्रदेश में उमा भारती के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। बाद में बाबूलाल गौर और अब शिवराजसिंह चौहान सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। भाजपा की सरकार ने प्रदेश को 20 सालों में बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया, बंटाढार से बुलंदियों पर पहुंचाया, पिछड़े से अग्रणी बनाया, समृद्ध और खुशहाल राज्य बनाया। श्री शाह ने यह बात प्रदेश सरकार के 20 सालों के गरीब कल्याण रिपोर्ट कॉर्ड को जारी करते हुए कही। उन्होंने तुलनात्मक आंकड़े देकर कांग्रेस सरकारों और भाजपा सरकारों की उपलब्धियों को पेश किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। इस दौरान गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा मौजूद थे।

श्री शाह ने कहा कि 2003 से पहले मध्यप्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। 2003 में आई भाजपा की सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य के कलंक से मुक्ति दिलाई। 2003 से 2023 तक के 20 साल प्रदेश में गरीबी से मुक्ति का स्वर्णकाल रहे हैं और इन सालों में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की नींव डाली गई। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश की दिल खोलकर मदद की। डबल इंजन वाली सरकार ने प्रदेश में विकास के नए प्रतिमान गढ़े। न सिर्फ सड़क ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शिवराज को सर्वाधिक लोकप्रिय और मेहनती मुख्यमंत्री बताया

श्री शाह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जमकर तारीफ की। उन्होंने श्री चौहान को सर्वाधिक लोकप्रिय और मेहनती मुख्यमंत्री बताते हुए कहा कि प्रदेश में हुए रिकार्ड तोड़ विकास के लिए मैं शिवराज को साधुवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि मोदी जी और शिवराज जी की जोड़ी ने मध्यप्रदेश को नये मुकाम तक पहुंचाया।

14 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए

श्री शाह ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 60 करोड़ गरीबों का जीवन स्तर ऊपर उठाया। 14 करोड़ लोग गरीबी की सीमा रेखा से बाहर हुए। लगभग 10 सालों में देश की आबादी 10 प्रतिशत लोगों को गरीबी रेखा से बाहर करके मोदी जी गरीब कल्याण के पुरोधा बन गए और उनकी योजनाओं का लाभ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अब संपूर्ण विकास पर हो रहा काम

श्री शाह ने कहा कि पहले की सरकारें टुकड़े-टुकड़े विकास पर विश्वास करती थीं। 20 हजार घर, 30 हजार शौचालय जैसे लक्ष्य हुआ करते थे। लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में पहली बार संपूर्ण विकास का कांसेप्ट दिया। हर घर में शौचालय, हर जरूरतमंद माता-बहन को गैस कनेक्शन, हर घर में नल से जल जैसी योजनाएं संपूर्ण विकास की ही उदाहरण हैं। संपूर्ण विकास को हासिल करने के लिए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विकास को नई गति मिली

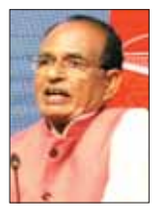

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि 2003 से पहले मध्यप्रदेश बीमारू राज्यों में शामिल था और यहां डकैतों, नक्सलियों का आतंक था। हमारी सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य के ठप्पे से मुक्ति दिलाई। वर्ष 2002-03 में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार 71000 करोड़ रुपये हुआ करता था, वह अब 13.5 लाख करोड़ के पार हो गया है। देश की जीडीपी में पहले प्रदेश का योगदान सिर्फ 3.6 प्रतिशत था, जो अब ■ शेष पृष्ठ 8 पर

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही डबल इंजर सरकार

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रदेश के लिए यह गर्व की बात है कि भाजपा सरकार के 20 सालों के गरीब कल्याण के रिपोर्ट कॉर्ड का लोकार्पण केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथों किया जा रहा है, मैं प्रदेश की जनता की ओर से तथा पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उनका स्वागत करता हूं, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दिग्विजय और कमलनाथ पर साधा निशाना, बोले-

कांग्रेस में हिम्मत है तो 53 सालों का हिसाब दे

श्री शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा। साथ ही यह चुनौती भी दी कि कांग्रेस प्रदेश में अपने 53 सालों का हिसाब दे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जवाबदेही की एक नई परंपरा शुरू की है, जिसके अंतर्गत हर सरकार अपने कार्यकाल में किए गए कामों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती है। श्री शाह ने कहा हमने अपना रिपोर्ट कॉर्ड प्रस्तुत किया है और गलत आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने वाली कांग्रेस को इस रिपोर्ट कॉर्ड का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने प्रदेश की जनता के साथ जो अन्याय किया है, उसका जवाब देना चाहिए और अगर उसमें हिम्मत है, तो अपने 53 सालों के शासन का रिपोर्ट कॉर्ड प्रस्तुत करे। श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में 15 महीनों के लिए कमलनाथ की सरकार बनी थी, जिन्हें करप्शन नाथ कहा जाता है। मि. बंटाढार और कमलनाथ इस बात का जवाब दें कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कमलनाथ ने कभी हल नहीं पकड़ा, वे समर्थन मूल्य की बात करते हैं

श्री शाह ने कहा कि कमलनाथ जैसे जिन नेताओं ने कभी हाथों में हल नहीं पकड़ा, वो हमारी सरकार पर सवाल उठाते हैं। जबकि उनकी सरकार के समय समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी सिर्फ 4.38 लाख थी, जिसे हमारी सरकार ने 77.96 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाया। धान की खरीदी सिर्फ 95 हजार मीट्रिक टन होती थी, जिसे 46.30 लाख टन तक पहुंचाया।

कांग्रेस शासन के घोटाले गिनाए

श्री शाह ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और घोटालों का आरोप लगाया, साथ ही कुछ घोटाले भी गिराए। उन्होंने कहा कि इस्तीफा देते समय कोई मुख्यमंत्री काम नहीं करता, लेकिन करप्शननाथ ने अपने इस्तीफे से 15 मिनट पहले मोबाइल घोटाले से संबंधित दस्तावेजों पर साइन किए। करप्शन नाथ ने 350 करोड़ का मोजर बेयर घोटाला किया और 2400 करोड़ के अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले से उनका संबंध है। करप्शन नाथ ने 600 करोड़ का इफ्को घोटाला, कर्जमाफी में 25000 करोड़ का हेरफेर किया। उस सरकार ने 800 ट्रांसफर करके नया तबादला उद्योग शुरू कर दिया था। श्री शाह ने कहा कि कमलनाथ को अपनी सरकार के डेढ़ सालों में हुए घोटालों का भी जवाब देना चाहिए।

मीडिया के सवाल, शाह के जवाब

सवाल- ये मानें कि आप चुनाव को विकास के मुद्दे पर ही लेकर आएंगे?
जवाब- हम तो यही चाहते हैं विकास के मुद्दे पर चुनाव हो। कांग्रेस की परंपरा थी चुनाव को जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण के आधार पर घसीट कर ले जाना। मोदी जी ने नई परंपरा डाली पॉलिट्कस ऑफ परफोर्मेंस। धारा 370 को भी समाप्त किया है। राम मंदिर का निर्माण भी तेजी से हो रहा है। यहां महाकाल लोक भी बना है। हम जरूर चाहेंगे कि चुनाव विकास और गरीब कल्याण के मुद्दे पर हों।
सवाल- 15 महीने की कमलनाथ सरकार का जिक्र किया? क्या इनका काम भाजपा के लिए चुनौती है? भाजपा आरोप पत्र लाएगी?
जवाब- आरोप तो मैने लगा ही दिये हैं कांग्रेस को जवाब देना चाहिये।
सवाल- क्या ये सही है कि चुनाव जीतने के बाद शिवराज जी ही मुख्यमंत्री रहेंगे।
जवाब- अभी शिवराज जी मुख्यमंत्री ही हैं। अभी हम चुनाव में हैं, पार्टी का काम पार्टी करेगी।
सवाल- अभी जो टिकट वितरित हुए उसमें परिवार वाद है?
जवाब- परिवारवाद जहर है, जब पार्टियां परिवार की मिल्कियत बनती हैं। तो डेमोक्रेसी के अंदर नीचे से जो लोग आते हैं उनके लिया क्या स्थान होता है।
अटल जी किसके बेटे थे, मोदी जी किसके बेटे थे, राजनाथ जी किसके बेटे थे। मैं पार्टी का अध्यक्ष बना, मेरे परिवार का कोई राजनीतिक बैक ग्राउंड नहीं था, नड्डा जी पार्टी के अध्यक्ष बने कोई राजनीतिक बैक ग्राउंड नहीं था, शिवराज जी का बैकग्राउंड क्या है।
कांग्रेस के एजेंडे को घुमा फिराकर भ्रांति खड़ी मत कीजिये परिवार से बहुत स्पष्ट है पार्टी की मलकियत सत्ता की मलकियत एक परिवार में हाथ में रहना इसको परिवारवाद कहते हैं। परिवारवाद की जब हम बात करते हैं तो पार्टी की मिल्कियत की बात करते हैं। आप क्या कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश की मिल्कियत कोई परिवार की है। आप मुझे बताइए, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) ... मैं नेताओं के नाम नहीं लेना चाहता। परिवारवाद का मतलब है सरकार और शासन में एक ही परिवार के व्यक्ति आएंगे। कहीं इक्का-दुक्का किसी के परिवार को योग्यता के आधार पर टिकट दिया, ये परिवारवाद का मुद्दा डाइल्यूट करना है।
सवाल- हाल ही में दो राज्यो में इन्हीं मुद्दों पर आपकी सरकार नहीं बनी, क्या गारंटी है कि मप्र में आपकी सरकार बनेगी।
जवाब- आप सिर्फ दो राज्यों की ही बात क्यूँ करते हैं, हमारी मणिपुर से लेकर कई राज्यों में सरकार बनी हैं।
सवाल- आपने कई मुफ्त की घोषणाएं कीं, इन्हें कैसे लागू करेंगे, बजट का क्या प्रावधान है, ऐसा क्या करेंगे कि प्रदेश की जनता पर प्रभाव नहीं पड़े?
जवाब- हमने ये घोषणाएं चुनाव के समय नहीं कीं। हर घर में शौचायल 2015 में आई, 2020 में हर घर नल आई, हमारी योजनाएं और चुनाव का संबंध नहीं है। रही बात गरीब को रेवड़ी बांटने वाली बात की तो गरीब को भी समझ है कि मोदी जी ने एक लाख का घर दिया और कोई 200 रुपए का बिल माफ करेगा तो वह एक लाख का घर भूलकर 200 रुपए बिल माफी पर वोट नहीं करेगा। हमारा विश्वास गरीब को गरीबी से बाहर निकालना और उसकी आय बढ़ाना है।
सवाल- 2018 के चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा लेकिन सीटें घटीं , अब क्या बदलाव आया है कि आप चुनाव जीत जाएंगे।
जबाव- 2018 का चुनाव जातिवाद के जहर की परछाईं में हुआ था। जनता ने हमारा और कांग्रेस का 15 माह का शासन देख लिया है। हमें पूरा विश्वास है कि इस बार जनता हमें चुनेगी और हम पूर्ण बहुमत के साथ मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।
सवाल- दिग्विजय का आरोप है कि एमपी में नूंह की तरह भाजपा दंगों की प्लानिंग कर रही है?
जवाब- दिग्विजय सिंह का ऐसा ही स्वभाव है। जो आदमी के मन में होता है, ऐसी ही बात मुंह से निकलती है। एक महीने बाद दिग्विजय को पूछ लेना कि दंगा क्यों नहीं हुआ।
सवाल- आपने कांग्रेस व कमलनाथ व दिग्विजय सिंह के घोटालों की सूची दी है। केंद्र में आपकी सरकार है, तो क्या कारण है कि आप इन पर शीघ्रता से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।
जबाव- मैने कभी राजनीति के आधार पर एक्शन नहीं लिए। एजेंसी जांच कर रही हैं। जांच में समय लगता है। ये वही एजेंसियां हैं जिनकी कार्रवाई पर कार्रवाई पर विपक्ष-कांग्रेस हायतौबा मचा रही है। अगर ये कमलनाथ जी का स्पांसर सवाल है तो जान लें कि इससे नुकसान भी हो सकता है, जांच की गति तेज भी हो सकती है।

राहुल गांधी का बड़ा दावा

चीन की सेना लद्दाख में घुसी

लद्दाख, एजेंसी। लद्दाख दौरे पर आए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि चीन ने यहां के लोगों की जमीन छीन ली है। उन्होंने कहा, चिंता की बात यह है कि चीन ने जमीन छीन ली है और लोग प्रभावित हो रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना (भारतीय क्षेत्र में) घुस आई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि एक इंच जमीन नहीं खोई है, लेकिन लद्दाख में यह सच नहीं है।' केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के लोग बेरोजगारी और मुद्रास्फीति सहित विभिन्न मुद्दों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, लद्दाख में लोगों की बहुत सारी शिकायतें हैं। लोग उन्हें दिए गए दर्जे से खुश नहीं हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व की जरूरत है। लोग कह रहे हैं कि प्रतिनिधित्व होना चाहिए, इसे नौकरशाही के माध्यम से नहीं चलाया जाना चाहिए। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राहुल के बयान पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम आपसे क्या उम्मीद कर सकते हैं? जवाहरलाल नेहरू के समय में चीन ने 1962 के युद्ध से पहले और बाद में (भारत की) कितनी जमीन पर कब्जा किया था, क्या आपको राहुल गांधी जी याद है? वह दौरे से पहले एजेंडा तय करते हैं।

पिता को याद कर हुए भावुक

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इस दिनों केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर याद करते हुए ट्वीट किया। राहुल गांधी ने ट्विटर पर एक भावुक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पापा, आपकी आंखों में भारत के लिए जो सपने थे, इन अनमोल यादों से छलकते हैं।

खड़गे ने कांग्रेस कार्य समिति का किया गठन

सोनिया, राहुल, प्रियंका शामिल, थरूर और सचिन पायलट को भी मिली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की बहुप्रतीक्षित सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति का गठन कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां बताया कि समिति में 39 सदस्यों के साथ ही 18 स्थायी आमंत्रित सदस्य, 14 प्रभारी, नौ विशेष आमंत्रित सदस्य तथा चार पार्टी की विभिन्न संगठनों की अध्यक्ष शामिल हैं जिन्हें पदेन सदस्य के रूप में कार्यसमिति में जगह दी गई है।

उन्होंने बताया कि समिति में 39 प्रमुख सदस्य हैं जिनमें श्री खड़गे के अलावा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, एके एंटोनी, आधीर रंजन चौधरी शामिल

हैं। कांग्रेस महासचिव के अनुसार समिति के अन्य सदस्यों में अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, तारिक अनवर, लाल थनवला, अशोक चव्हाण, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, चरणजीत सिंह चन्नी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अजय माकन, कुमारी सैलजा, गैखनगम, एन रघुवीर रेड्डी, शशि थरूर, ताम्रध्वज साहू, अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, दीपक बावरिया, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, जितेंद्र सिंह , जगदीश ठाकुर, जीए मीर, अविनाश पांडे, दीपा दास मुंशी, केसी वेणुगोपाल, महेंद्रजीत

मप्र से दिग्विजय, पटेल और मीनाक्षी नटराजन शामिल

सिंह मालवीय, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और कमलेश्वर पटेल शामिल हैं।

श्री वेणुगोपाल ने बताया कि कार्य समिति में वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली, हरीश रावत, पवन कुमार बंसल, मोहन प्रकाश, रमेश चेन्निथला, बीके हरिप्रसाद, प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी, तारिक हामिद कारा, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, गिरीश चडोनकर, सुब्बी रमारेड्डी, के राजू,चंद्रकांत हंडोरे, मीनाक्षी नटराजन, फूलोदेवी नेताम,डीआर नरसिम्हा और सुदीप रॉय बर्मन, डॉ ए चेल्ला कुमार, भक्त चरण दास, डा अजय कुमार, हरीश चौधरी, राजीव शुक्ला, माणिक टैगोर, सुखविंदर सिंह रंधावा, माणिक राव ठाकरे, रजनी पटेल, कन्हैया कुमार, गुरदीप सिंह सप्पल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सार समाचार

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आज

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर तरूण राठी की अध्यक्षता में 21 अगस्त को प्रात: 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया जायेगा। उक्त बैठक में सर्व-संबंधितों को उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है।

शिवाजी महाराज की शोभायात्रा का हुआ नगर आगमन, हुआ भव्य स्वागत

गुना, देशबन्धु। हिंदवी स्वराज्य के 350 में वर्ष के उपलक्ष्य में छत्रपति शिवाजी महाराज की शोभा यात्रा का नगर आगमन हुआ। यह शोभायात्रा 17 अगस्त को आगरा से आरंभ होकर रायगढ़ तक जाएगी। इस क्रम में गुना पहुंची यात्रा का मराठा समाज के अलावा हिन्दूवादी संगठनों ने भव्य स्वागत किया। स्थानीय आंबेडकर चौराहे से शोभायात्रा के साथ मशाल यात्रा हनुमान चौराहा, हाट रोड, सदर बाजार होते हुए गोपाल कृष्णा मंदिर नयापुरा पहुंची। भव्य शोभायात्रा की आगवानी करने के लिए शहर में पिछले दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही थी। इस दौरान शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए इस शोभायात्रा का अनेकों स्थानों पर स्वागत किया गया।

मृगवास पुलिस ने कंजरों के डेरों पर दी दबिश

गुना, देशबन्धु। जिले की मृगवास पुलिस द्वारा ग्राम सानई में कंजरों के डेरों पर दबिश देकर करीबन 800 लीटर लहान एवं शराब निर्माण सामग्री नष्ट की है। इस दौरान मौके से हाथ भट्टी से निर्मित 80 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत् दिवस पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम सानई में कंजरों के डेरों के पीछे नाले किनारे देवराज कंजर के द्वारा अवैध शराब बनाई जा रही है। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी गई। जहां पर डेरों के पीछे नाले किनारे देवराज कंजार अपने पास प्लास्टिक की बड़ी-बड़ी दो केनों एवं बड़े-बड़े चार ड्रमों सहित खड़ा हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस फोर्स को देखते ही दौड़ लगाकर मक्खा के खेतों का सहारा लेकर वहां से भाग गया। पुलिस द्वारा मौके पर मिले ड्रमों एवं केनों को चैक किया तो दोनों केनों में हाथ भट्टी पर बनाई हुई कुल 80 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं चारों ड्रमों में शराब बनाने के लिए तैयार किया हुआ गुड़-महुआ लहान भरा हुआ मिला। पुलिस द्वारा मौके पर मिले लहान को विधिवत नष्ट कर बरामद हुई शराब को विधिवत जप्त किया गया।

बरामद की भारी मात्रा में शराब और लहान

बेटी को ससुराल भेजने से मना किया तो दामाद और समधी-समधन ने की मारपीट

गुना, देशबन्धु। जिले के चांचौड़ा थानांतर्गत वार्ड 8 में सावन के मद्देनजर बेटी को ससुराल नहीं भेजना पिता को भारी पड़ा। बहू को ससुराल ले जाने पर अड़े दामाद और समधी-समधन ने बाप-बेटी के साथ मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मंगलसिंह कुशवाह निवासी वार्ड 08 ने अपनी बेटी रीना के साथ पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि रविवार सुबह 11 बजे के करीब उनका दामाद प्रदीप कुशवाह, समधन रतनबाई एवं समधी नवलकिशोर कुशवाह निवासी ब्यावरा लडक़ी रीना को लेने आए थे। इस दौरान फरियादी ने कहा कि लडक़ी को सावन बाद भेजेंगे। इसी बात पर तीनों ने पिता-पुत्री के साथ गाली गलौंच शुरू कर दी। इस दौरान समधन ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की। वहीं दामाद एवं समधी ने फरियादी के साथ मारपीट की। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर तीनों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

शराब के नशे में ससुर ने कर दी बहू से मारपीट : इधर जिले के जामनेर थानांतर्गत ने ससुर ने शराब के नशे में अपनी बहू के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने फरियादी बहू की शिकायत पर शराबी ससुर पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नौरंग बाई पत्नी स्व. विजय सिंह भील (40) ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत रात वह घर में खाना बना रही थी। तभी उसके ससुर मदनलाल भील शराब के नशे में आएं और बेवजह गाली गलौंच कर डंडे से मारपीट कर दी। इस दौरान ससुर ने धमकी दी कि यदि इस घर वह अपने बच्चों को लेकर नहीं निकली तो जान से मार देगा।

रेलवे स्टेशन के बाहर से मोटरसायकिल चोरी, राघौगढ़ में नई बाईक ले गए चोर

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत रेलवे स्टेशन के बाहर से अज्ञात चोर मोटर सायकिल चुरा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी छतरसिंह निवासी नयागांव गत दिवस रेलवे स्टेशन पर अपने परिजनों को छोडऩे पहुंचा था। इस दौरान उन्होंने अपनी मोटर सायकिल रेलवे स्टेशन के व्हीआईपी गेट के सामने खड़ी कर दी थी। वहां से कोई अज्ञात चोर उनकी बाईक चोरी कर ले गया।

वहीं राघौगढ़ थानांतर्गत कटरा मोहल्ला में घर के बाहर बरामदे में खड़ी मोटर सायकिल को अज्ञात चोर रात को ले गए। जामनेर निवासी फरियादी युवक राघौगढ़ में किराये से रहता था। उसके द्वारा महीनेभर पूर्व ही नई मोटर सायकिल शोरूम से उठाई थी। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर भी नहीं आया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रोहित कुमार पिता रमेशचंद्र शर्मा निवासी ग्राम सलोटा थाना जामनेर राघौगढ़ के कटरा निवासी डॉ. लिशांशु जैन के मकान में रहता था। गत रात्रि में उसने अपनी मोटर सायकिल घर के बाहर बरामदे में खड़ की थी। सुबह जब युवक उठा तो बाईक गायब थी। कोई अज्ञात चोर मोटर सायकिल को ले गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोर पर मामला दर्ज किया है।

अवंतीबाई की जयती पर निकली विशाल वाहन रैली

गुना, देशबन्धु। सन् 1857 की क्रांति की महानायिका वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 192 वीं जयंती अखिल भारतीय लोधा लोधी महासभा के तत्वधान में भव्यता से मनाई गई। इस मौके पर समाज के युवाओं ने विशाल वाहन रैली शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली। यह विशाल वाहन रैली श्रीराम टेकरी से आरंभ हुई। जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अवंतिका बाई लोधी मार्ग कुशमोदा में समाज की धर्मशाला पर पहुंचकर समाप्त हुई। यहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों स्वागत एवं समाज के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना अवंतीबाई लोधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सामाजिक वक्ताओं के द्वारा अपने उद्बोधन में जागरूकता, कर्तव्यनिष्ठा देश भक्ति एवं आपसी भाईचारा का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने रानी अवंतीबाई लोधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवंतीबाई एक भारतीय रानी-शासक और स्वतंत्रता सेनानी थीं। वो मध्य प्रदेश में रामगढ़ की रानी थीं। 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की एक कट्टर विरोधी के रूप में जानी जाती हैं। इसके पूर्व गाजे-बाजे के साथ भव्य वाहन रैली श्रीराम टेकरी से आरंभ हुई। रैली का जगह-जगह राजनीतिक एवं सामाजिक संस्थाओं ने स्वागत किया। रैली में एक वाहन में वीरांगन रानी अवंतिबाई बनी बालिकाएं चल रही थीं। वहीं बड़ी संख्या में युवा भगवा ध्वज लहराते हुए चल रहे थे।

रैली में भूले राष्ट्रध्वज संहिता का पालन : रैली के दौरान जहां समाज के युवाओं के उत्साह था। वहीं आयोजकों के साथ-साथ समाज के वरिष्ठजन राष्ट्रध्वज संहिता का पालन करना भूल गए। इस दौरान वाहन रैली में कई चार पहिया वाहनों में भगवा ध्वज से नीचे राष्ट्रीय ध्वज लगा दिखा। रैली में राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान के वीडियो भी तत्काल वायरल होने लगा। सब नजारा समाज के जिलाध्यक्ष की गाड़ी पर ही देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रध्वज संहिता में राष्ट्रध्वज को सम्मान उचित स्थान देना जरूरी है।

जयंती पर कांग्रेसजनों जनों ने किया राजीव गांधी को याद

गुना, देशबन्धु। जिला कांग्रेस द्वारा हनुमान चौराहे सत्संग भवन में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 79 वीं जयंती मनाई गई। जिसमें सर्वप्रथम जिला कांग्रेस के अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़, कैलाश नारायण भार्गव ने स्व. गांधी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री धाकड़ ने कहा देश को 21 वीं शताब्दी में ले जाने वाले आधुनिकरण के निर्माता राजीव गांधी की जन्म जयंती पर हम उन्हें याद कर रहे हैं।

वहीं कांग्रेस प्रदेश सचिव हरिशंकर विजयवर्गीय ने हलवा प्रसाद का भोगकर राजीव गांधी को लगाकर कहा कि आज आवश्यकता है देश की एकता अखंडता सार्वभौमिकता की। हमें एक होना चाहिए। राजीव जी के बताए मार्ग पर हमें चलना चाहिए। इस दौरान कैलाश नारायण भार्गव, विक्रम सिंह तोमर, सीमा यादव, नरेंद्र सोमवार, शेखर वशिष्ट ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र कुमार तिवारी ने किया एवं आभार राजू जाटव ने व्यक्त किया।

वन समितियों में काम करने वाली श्रमिकों की बैठक संपन्न

गुना, देशबन्धु। डाक बंगला परिसर में वन विभाग कर्मचारी एकता यूनियन सीटू की बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रेम सिंह यादव ने की। बैठक में वन विभाग के अंतर्गत वन समितियों में काम करने वाले श्रमिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

बैठक में उपस्थित वन समितियों में काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि पूरे महीने भर काम करने के बाद भी उन्हें तीन तीन चार चार दिन के वेतन का भुगतान किया जाता है आज सैकड़ों की संख्या में मजदूर ऐसे हैं जिनको तक 10-10 महीने की मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। बैठक को सीटू के राज्य उपाध्यक्ष डॉ. विष्णु शर्मा, सुरेन्द्र सैनी, गिरीश कश्यप तथा वन विभाग यूनियन के संयोजक प्रकाश बैरागी ने संबोधित किया। डॉ. विष्णु शर्मा ने बताया कि वन समितियों में वर्षों से काम कर रहे मजदूरों को न्यूनतम वेतन तक नहीं मिलता है तथा महीने भर काम के बाद मात्र चार दिन का ही मजदूरी का भुगतान किया जाता है। बैठक के दौरान तय किया गया कि आगामी 8 सितंबर को वन मंडल कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन आंदोलन कर वनमंडलाधिकारी को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान हेतु चर्चा की जायेगी। बैठक में हेमा बंजारा, वीरसिंह भील, हमीर सिंह, राय सिंह गुर्जर, जगन्नाथ लोधा, शंकर सिंह, राकेश कुशवाह, अमर सिंह मीणा, माखन शिकारी आदि उपस्थित रहे।

गर्ग व त्रिपाठी कल आयेंगे आष्टा

आष्टा, देशबन्धु। अग्रणी सामाजिक संस्था जन परिषद के पुरस्कृत चैप्टर आष्टा चैप्टर की, 22 अगस्त को होने वाली आम सभा एवं सम्मान समारोह में मिस इंडिया टूरिज्म डॉक्टर सौंदर्य गर्ग, पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी, रष्ट्रीय संयोजक वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव, मिसेज एम.पी. प्रगति सेठ एवं प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव आदि विशेष रूप से शिरकत करने आष्टा आएंगे, आमसभा एवम सम्मान समारोह दिनांक 22-08-23 स्थान स्टार मैरिज गार्डन पुराना दशहरा मैदान रोड़ समय सुबह साढ़े ग्यारह बजे आयोजित की जा रही है जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक भी बतौर अतिथि शामिल होंगे। आष्टा चैप्टर के अध्यक्ष रऊफ खान लाला ने सभी नागरिकों से समारोह को सफल बनाने की अपील की है।

बोल बम नारों के साथ कांवड लेकर निकले श्रद्धालु

सीहोर, देशबन्धु। रविवार को पूर्व विधायक रमेश सक्सेना और जिला पंचायत सदस्य शशांक सक्सेना की अगुवाई में अहमदुपर क्षेत्र में विशाल कांवड यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की तादाद में ग्रामीण जन शामिल हुए। श्रृद्धालु उत्साह के साथ कंधों पर कांवड रखी बोल बम के नारों के साथ निकले। पन्द्रह किमोमीटर तक यह यात्रा निकाली गई। जिसमें ग्रामीण श्रृद्धालुओं ने बढचढ का हिस्सा लिया। चांदबढ जागिर के समीप पारूआ नदी से कावडों के जल भर कर कावडिएं वनखेडा टेकरी स्थित मंदिर में आए जहां श्री सक्सेना के साथ ही कावडियों ने शिव लिंग पर जल चढा कर अभिषेक किया। श्री सक्सेना ने कहा कि क्षेत्र की जनता खुशहाल रहे, समृद्ध हो इसलिए यह बाबा भोलेनाथ से प्रार्थना की गई है।

क्षेत्र सीहोर में परिवर्तन करना होगा : महाजन

सीहोर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र सीहोर के ग्राम रायपुरा पान बिहार पहुंची हर घर हर द्वार दस्तक अभियान यात्रा के दौरान ग्रामीण युवाओं से चर्चा करते हुए गौरव सन्नी महाजन ने कहा कि डिजिटल युग में युवाओं को चुप रहना पूरी तरह से छोड़ना होगा और अपना अच्छा बुरा समझना होगा। युवाओं को वोट की ताकत को पहचानना होगा और विधानसभा क्षेत्र सीहोर में परिवर्तन कर अपने प्रतिनिधि बदलना होगा जिससे कि परिवर्तन का नियम कायम रहे और लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रहे।

गौरव सन्नी महाजन ने कहा कि बीस साल के काले और दस साल के दुखद दिनों का बदला वोट पावर से ही सरलता सुगमता और प्रजातांत्रिक तरीके से लिया जा सकता है।

महाजन ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के बुजुर्ग जनों को मालूम है कि वह 20 साल के काले दिन कैसे थे झूठे मुकदमे लगवा कर जेलों में ठूंस दिया जाता था भ्रष्टाचार चरम पर था। विधानसभा में कोई विरोध में खड़ा नहीं हो पाता था ऐसा करने वालों के हाथ पैर तुड़वा दिए जाते थे आर्थिक नुकसान पहुंचाया जाता था।

महाजन ने आगे कहा कि 10 साल में विधानसभा क्षेत्र सीहोर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अथक प्रयास से करोड़ों रुपए के विकास कार्य हुए हैं लेकिन इसकी आड़ में कुछ लोगों ने अपने कारोबार बढ़ा लिए हैं यह घर उजाड़ने वाले युवाओं को बिगाड़ने वाले कारोबार करने वाले 20 साल पुराने लोगों के नक्शे कदम पर ही चल रहे हैं अब युवाओं को जागरूक होना होगा अपना स्वच्छ साफ छबि का प्रतिनिधि चुनना होगा।

विधानसभा क्षेत्र सीहोर में गौरव सन्नी महाजन मित्र मंडली के द्वारा चलाए जा रहे हर घर हर द्वार दस्तक अभियान के दौरान ग्राम वासियों के द्वारा अनेक समस्याएं बताई और लिखाई जा रही है।

साहू समाज की पहल एक दर्जन से अधिक पौधों का रोपण किया

सीहोर, देशबन्धु। कोरोना महामारी के बाद हमें वृक्षों की कीमत समझ आई है। जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए। पेड़-पौधे लगाने के बाद उनका संरक्षण करना भी बहुत अनिवार्य है। उक्त बात शहर के सोया चौपाल स्थित श्रीराधे श्याम विहार कालोनी में साहू समाज के तत्वाधान में आयोजित पौधा रोपण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद उत्तरप्रदेश के अंतर्गत आने वाली रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती पूनम शंखवार ने कहे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए साहू समाज के मीडिया प्रभारी धीरज साहू ने बताया कि समाज के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र साहू के मार्गदर्शन में पौधा रोपण जागरूकता अभियान चलाया गया है। इसके तहत कालोनी में समाजजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पौधा रोपण किया। इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती अरुणा राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित अन्य ने भी पौधा रोपण करते हुए साहू समाज की पहल की प्रसन्नता की। रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान समाजजनों के अलावा श्री राधेश्याम विहार कालोनी की ओर से जितेन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत किया और पौधा रोपण के साथ संरक्षण का संकल्प भी लिया।

देश के नौजवान राजीव गांधी को अपना आदर्श मानते हैं : डा. तोमर

सदभावना दिवस के रूप में मनाई गई स्व राजीव गांधी की जयंती

सीहोर, देशबन्धु। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के लिए देश सर्वोपरी था। इस देश में उन्होंने संचार क्रांति की नींव रखी, कम्प्यूटर वह देश में लेकर आए तो उनका भाजपाईयों ने विरोध किया आज कम्प्यूटर के बिना कोई कार्यालय संभव नहीं। देश के अधिकांश नौजवान उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। भाजपा त्याग और बलिदान की बात करती है लेकिन उन्हें त्याग गांधी परिवार से सीखना चाहिए। राष्ट्र की एकता अखण्डता के लिए जिन्होंने अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। यह बात कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा बलवीर तोमर ने कही। रविवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 79 वीं जयंती सदभावना दिवस के रूप में मनाई गई। इस उपलक्ष्य में कांग्रेसियों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके कार्यों को याद किया। श्री तोमर ने कहा कि देश की आजादी में कांग्रेस पार्टी का अहम योगदान रहा है। देश का विकास कांग्रेस ने किया, पार्टी का गौरवशाली इतिहास है। यह बात लोगों को बताते की जरूरत है।

इस मौके पर संगठन प्रभारी राजारात बडे भाई, नईम नबाव, सीताराम भारतीय, हरपाल ठाकुर, गणेश तिवारी, आशीष रोहिला, मुकेश ठाकुर, प्रीतम दयाल चौरसिया, विवेक राठौर, भूरा यादव, आशीष गेहलोत, तुलसी राठौर, केके रिछारिया, राजेन्द्र नागर, सुनील दुबे, मुनव्वर मामू, विनोद राठौर, कमलेश महेश्वरी, सुरेश राठौर, अरूण राय, पंकज शर्मा, धीरेन्द्र ठाकुर, सईदलाला मंसूरी, ताराचंद यादव, फरीद भाई, मुन्नेभाई सहित बडी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे। मंच संचालन मुनव्वर खान ने किया और आभार भूरा यादव ने व्यक्त किया।

अनुपस्थित पाये गये 4 कर्मचारियों को थमाया कारण बताओ नोटिस

गौशालाओं का निरीक्षण करने पहुंचे उप संचालक चिकित्सा अधिकारी, मिली भारी गंदगी

गुना, देशबन्धु। *उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. रामकुमार त्यागी द्वारा आज बमोरी विकास खण्ड की दो गौशाला बाघेरी एवं मून्दौल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. हरवीर सिंह धाकरे पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी एवं डॉ0 उमेश सिंह रघुवंशी पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ उपस्थित थे। बाघेरी गौशाला में गौवंश नही पाये गये। गौशाला संचालनकर्ता द्वारा बताया गया कि गायों को चरने के लिये भेजा गया है, वह शाम को 4 बजे आयेंगे तथा गौशाला संचालनकर्ता को गौशाला का ऑडिट कराये जाने एवं गौवंश को गौशाला में बांधकर रखने के निर्देश दिये गये तथा मून्दौल गौशाला में 69 गौवंश पाये गये सभी में टेग लगे हुये थे गौशाला में कम से कम 100 गौवंश रखने के एवं गौशाला में गन्दगी पाये जाने के कारण गौशाला को साफ रखने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही ग्राम दुधई एवं बिसोनिया में मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय*

कार्यक्रम द्वारा प्रदाय पशुओं का निरीक्षण किया गया। जिसमें दो भैंस ग्राम गणेशपुरा में किसी अन्य जगह बंधी पायी गयी। उनको वापिस हितग्राहियों के घर पर बंधवाया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. हरवीर सिंह धाकरे एवं डॉ. उमेश सिंह रघुवंशी को निर्देशित किया गया कि योजना अंतर्गत प्रदाय पशुओं की सतत निगरानी रखें तथा दूध सॉची दुग्ध संघ को विक्रय करें जिससे उनके आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके एवं पशु औषधालय बिसोनिया का निरीक्षण किया गया। जिसमें संस्था बन्द पायी गई अनुपस्थित कर्मचारी श्री रामसिंह लोधा, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री विजय कुशवाह, पी.टी.एस. घनश्याम मालवीय को कारण बताओ नोटिस दिया गया। पशु चिकित्सालय बमोरी का निरीक्षण किया गया, पशु चिकित्सालय बमोरी में गौसेवक व मैत्री की बैठक ली। जिसमें सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई तथा गलगोटू बीमारी व अन्य बिमारियों के रोकथाम हेतु क्षेत्र में टीकाकरण किये जाने हेतु निर्देश दिये। दुधई में स्कूल का स्थल निरीक्षण किया गया। जिसमें शिक्षा निम्न स्तर का पाया तथा स्कूल प्रभारी को निर्देश दिये कि शिक्षा स्तर में सुधार लायें।

नगर निगम ने संपत्तिकर नहीं देने पर की बड़ी कार्रवाई

पीडब्ल्यूडी, बीडीए और रंभा सिनेमा की संपत्ति कुर्क

तीनों पर 1 करोड़ रुपए की राशि बकाया

भोपाल, देशबन्धु। नगर निगम ने संपत्ति कर नहीं देने पर रविवार को बड़ी कार्रवाई की। वार्ड नंबर-42 में लक्ष्मीगंज गल्ला मंडी स्थित महालक्ष्मी परिसर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के 12 आवासीय प्रकोष्ठों एवं भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के 7 आवासीय प्रकोष्ठों के अलावा चिकलोद रोड स्थित रंभा सिनेमा की संपत्तियां कुर्क की। इन तीनों बकायादारों पर 1 करोड़ 6 लाख 64 हजार रुपए की राशि बकाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के महालक्ष्मी परिसर पर 69 लाख रुपए की राशि बकाया होने पर महालक्ष्मी परिसर के टी-1, 101 से 106 एवं 201 से 206 आवासीय प्रकोष्ठों पर तालाबंदी की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार बीडीए के लक्ष्मीगंज गल्ला मंडी स्थित महालक्ष्मी परिसर के आवासीय प्रकोष्ठों पर लगभग 36 लाख रुपए की राशि बकाया होने पर भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के भवन बी-10 के प्रकोष्ठ क्रमांक 101 एवं 102 बी-11 के प्रकोष्ठ क्रमांक 101, 102 व 104, बी-12 के प्रकोष्ठ क्रमांक 101 व 104 प्रकोष्ठों में तालाबंदी की कार्रवाई की गई। वहीं निगम अमले ने चिकलोद रोड स्थित सिनेमाघर पर 1 लाख 64 हजार रुपए संपत्ति कर बकाया होने पर सिनेमाघर के मुख्य द्वार पर बोर्ड लगाकर तालाबंदी की। निगम अफसरों का कहना है कि इस कार्रवाई से पहले निगम ने संबंधित बकायादारों को नियमानुसार देयक व नोटिस आदि तामील किए। बावजूद बकाया करों की राशि जमा नहीं की गई। लिहाजा आज कुर्की की कार्रवाई जोनल अधिकारी शैलेष चौहान के नेतृत्व में वार्ड क्र. 42 के प्रभारी द्वारकाप्रसाद साहू और अमले ने की।

सार्वजनिक जगह पर कचरा फेंकने पर जुर्माना

इधर, नगर निगम के जोन नंबर-18 के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने सार्वजनिक स्थल पर कचरा फेंकने वालों की पहचान कर दो व्यक्तियों पर 500-500 रुपए का जुर्माना लगाया। जानकारी के अनुसार, कोलार रोड स्थित सर्वधर्म कॉलोनी में सार्वजनिक स्थल पर कचरा पड़ा पाया जा रहा था। उक्त स्थान पर कचरा फेंकने वालों की पहचान के लिए निगम ने अपने कर्मचारी तैनात किए थे। जिन्होंने रविवार को उक्त स्थल पर कचरा फेंकने वाले 2 व्यक्तियों को पहचान लिया। इसके बाद दोनों पर जुर्माना किया गया।

रैली निकालने को लेकर विवाद, साजिद -मसूद के समर्थक भिड़े

दोनों पक्षों ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस नेता साजिद अली की ओर से रविवार को मध्य विधान सभा में रैली का आयोजन किया गया था। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के कुछ समर्थक ने इस रैली का रास्ता रोक लिया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे से विवाद किया, झूमाझटकी कर एक दूसरे के बैनर और पोस्टर को फाड़ दिया। जिसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

सैयद साजिद अली ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनकी ओर से रविवार को राजीव गांधी सदभावना रैली का आयोजन किया गया था। वह और उनके कार्यकर्ता बाइक रैली लेकर 11 नंबर की ओर पहुंचे थे। यहां कुछ युवकों ने रैली का रास्ता रोका। वह स्वयं को स्थानीय विधायक आरिफ मसूद का कार्यकर्ता बता रहे थे। उन लोगों ने हाथों में आरिफ मसूद की फोटो लगी तख्तियां भी थीं। कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया तो रास्ता रोकने वाले युवकों ने अभद्रता करना शुरू कर दिया। कार्यकर्ताओं के साथ झूमाझटकी की। दूसरे पक्ष की ओर विशेष राय सक्सेना ने थाने में शिकायत करते हुए बताया कि सैयद साजिद अली व कार्यकर्ताओं ने रैली के दौरान उनके नेता आरिफ मसूद के पोस्टर फाड़े। इसका विरोध किया तो उन्होंने झूमाझटकी कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। उनके साथ मारपीट की कोशिश भी की गई। थाना प्रभारी मनीष राज सिंह भदौरिया का कहना है कि रैली को लेकर दो पक्षों में मामूली विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने थाने आकर शिकायत की है।

नाबालिग वाहन चोर गिरफ्तार, तीन वाहन बरामद

भोपाल, देशबन्धु। गौतम नगर पुलिस ने दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। दोनों वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने का काम करते थे। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर 1.50 लाख रुपए कीमत के तीन वाहन जब्त किए हैं। आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी रियाज इकबाल ने बताया कि शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि रेशम केंद्र गोल घेरे के पास से दो नाबालिक बालक प्लेटीना बाइक ख्क्क04-त्त्झ-7168 से संदिग्ध हालत में घूम रहे हैं। दोनों वाहन को बेचने की बातें कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस टीम को रवाना किया गया। संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि बाइक चोरी की है। जिसे आरिफ नगर मस्जिद के पास शुक्रवार को चुराया गया था। थाने लाकर पूछताछ करने पर आरोपियों ने दो अन्य वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर एक मोपेड, दो बाइक जब्त की गई हैं। बरामद चोरी के वाहनों की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। दोनों बालक गौतम नगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पुजारी से मारपीट

बैरसिया थाना इलाके में तरावली के हरिसिद्धि मंदिर के पुजारी के साथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा पूर्व में समिति से निकाल दिए गए युवक ने मारपीट कर दी। साथ ही उनकी कुटिया का दरवाजा भी तोड़ दिया।बैरसिया थाना प्रभारी दिलीप जैसवाल ने बताया कि पिंटू गोस्वामी नाम का युवक पहले मंदिर में पूजा-पाठ में मदद किया करता था। गलत आदतों के कारण करीब छह माह पहले मंदिर ट्रस्ट ने उसे मंदिर समिति से निकाल दिया था। इसके बाद भी वह मंदिर के काम में जबरन हस्तक्षेप करता था। पिंटू ने मंदिर में आरती की थाली से रुपये उठा लिए। महंत गुलाब पुरी ने विरोध किया तो पिंटू ने तलवार दिखाते हुए महंत के साथ मारपीट की और उनकी कुटिया का दरवाजा तोड़ दिया था। महंत की शिकायत पर पिंटू के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ करने का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

उखड़ी सड़कों के विरोध में किया प्रदर्शन, गड्ढों की नपाई

भोपाल, देशबन्धु। शहर के जोन क्रमांक 13 में स्थित अमराई क्षेत्र के आसपास के रहवासी उखड़ी सड़कों से परेशान हैं। इसकी मरम्मत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के चक्कर भी लगाए। आयुक्त और महापौर से भी शिकायत की। जब कोई असर नहीं हुआ तो सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अधिकारियों ने यहां भी बिना निराकरण शिकायत को फोर क्लोज कर दिया। इससे परेशान होकर लोग सड़क पर उतर आए और रविवार को इंच-टेप लेकर गड्ढों की नपाई की। इस दौरान 50 से अधिक रहवासियों ने हाथ में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन भी किया।

अमराई के आसपास क्षेत्रों में बीते दो से तीन वर्षों से सड़क निर्माण और मरम्मत का कार्य नहीं किया। एक वर्ष पहले से रहवासी इन सड़कों की मरम्मत की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन निर्माण और मरम्मत तो दूर इन गड्ढों में मलबा भी नहीं भरा गया। अब ये गड्ढे 15 से 20 फीट लंबे -चौड़े हो गए हैं। अमराई के सामने नाग मंदिर से महक ट्रेडर्स तक करीब 800 मीटर सड़क में ही 50 से अधिक गड्ढे हैं। इस सड़क से निकलने पर जहां वाहन चालकों को दुर्घटना का डर लगा रहता है तो वहीं राहगीरों को कीचड़ से होकर निकलना पड़ता है। यहां के रहवासी उमाशंकर तिवारी ने बताया कि वार्ड क्रमांक 55 के अमराई क्षेत्र में अधिकतर सड़कें जर्जर हैं। जिम्मेदार एजेंसियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगने के बाद भी जब कुछ नहीं हुआ तो मजबूरी में हम लोगों ने खुद के पैसे इकट्ठे कर सड़कों के गड्ढे भरवाए। लेकिन वर्षा में फिर से मलबा बह गया। लेकिन अब नगर निगम के अधिकारियों ने सुध नहीं ली। इससे परेशान होकर लोग सड़क पर उतर आए और रविवार को इंच-टेप लेकर गड्ढों की नपाई की। इस दौरान 50 से अधिक रहवासियों ने हाथ में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन के दौरान रहवासियों ने तख्तियों में जनता करती है पुकार, अच्छी सड़क दे सरकार और अच्छी सड़कें हमारा अधिकार, गड्ढों से निजात दे सरकार समेत अन्य नारे लिख रखे थे। साथ ही एक बड़े पोस्टर में सड़क के गड्ढों को भरने की अपील के साथ जिम्मेदार को आंखे खोलने की चेतावनी दी गई थी।

ननि ने हर वार्ड को दिए हैं 1-1 लाख रुपए

नगर निगम ने बारिश से जर्जर सड़कों की अस्थायी मरम्मत के लिए हर वार्ड को 1-1 लाख रुपए दिए गए हैं। इसकी जानकारी महापौर मालती राय ने पिछले दिनों हुई नगर निगम परिषद की मीटिंग में भी दी थी। हालांकि, कई वार्डों में सड़कों की अस्थायी मरम्मत भी नहीं हो पाई है।

आज से साफ होने लगेगा मौसम, बढ़ेगा तापमान

पड़ सकती हैं छिटपुट बौछारें

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के अनेक हिस्सों में शनिवार व रविवार को बौछारों के बाद मानसून की सक्रियता कम होने लगी है। चूंकि प्रदेश में बना कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़ने लगा है और इसके हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में परिवर्तित होकर आगे बढ़ने की संभावना है। इससे सोमवार को प्रदेश के अधिकतर जिलों में मौसम साफ होने लगेगा। इस वजह से धूप भी निकलेगी और दिन का तापमान बढ़ने लगेगा। हालांकि वातावरण में नमी बरकरार रहने के कारण ग्वालियर, उज्जैन एवं भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं छिटपुट बौछारें पड़ सकती हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी जेपी विश्वकर्मा ने बताया कि कम दबाव का क्षेत्र वर्तमान में उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य में बना हुआ है। मानसून द्रोणिका भी जैसलमेर, कोटा से मप्र में बने कम दबाव के क्षेत्र से होकर रायपुर, गोपालपुर से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। इसके अतिरिक्त पाकिस्तान के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ भी बना हुआ है। अलग-अलग स्थानों बने इन मौसमी सिस्टमों के असर से प्रदेश में कहीं-कहीं मध्यम स्तर की वर्षा हो रही है। हालांकि कम दबाव का क्षेत्र अब कमजोर पड़ गया है और इसके ऊपरी हवा के चक्रवात के रूप में परिवर्तित होकर आगे बढ़ने की संभावना है। इस वजह से अब मानसून की गतिविधियों में कमी आने लगेगी। बादल छंटने से धूप निकलेगी। हालांकि वातावरण में नमी रहने के कारण सोमवार को भोपाल, उज्जैन एवं ग्वालियर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम स्तर की वर्षा हो सकती है। उधर रविवार को सुबह से शाम तक रतलाम में 25, बैतूल में 13, जबलपुर में 11.4, रीवा में 11, पचमढ़ी में सात, मंडला एवं धार में दो, उज्जैन में एक, मलाजखंड में 0.8, इंदौर में 0.7, छिंदवाड़ा में 0.4 मिलीमीटर वर्षा हुई। भोपाल, खजुराहो एवं नर्मदापुरम में बूंदाबांदी हुई।

शरणागत हुए बिना परिवर्तन संभव नहीं : मंदाकिनी

भोपाल, देशबन्धु। शहर के श्यामला हिल्स तुलसी मानस प्रतिष्ठान में प्रतिष्ठा आयोजन तुलसी जयंती समारोह आयोजति हो रहा है।

मानस प्रतिष्ठान के पूर्व कोषाध्यक्ष माधुरीशरन अग्रवाल की पुण्य स्मृति में समर्पित समारोह के द्वितीय दिवस दीदी मंदाकिनी श्रीरामकिंकर ने प्रवचन विषय जै जै जै हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरु देव की नाई। के अंतर्गत कहा कि जब त्रिभुवन गुरु रूद्रावतार हनुमानजी जैसे पूर्ण सामर्थ्यशाली गुरु प्राप्त करके भी बाहुबली दस-बुध्दि रावण में यदि परिवर्तन नहीं आया, इस सत्य को इंगित करना है कि यदि शिष्य में शिष्यत्व के लक्षण नहीं होगें जैसे पात्र मलिन और छिद्र होने पर कोई भी वस्त उसमें डालने पर व्यर्थ हो जायगी। वैसे ही शिष्य को गुरु में संपूर्ण विश्वास रखकर शरणागत हुए बिना परिवर्तन संभव नहीं। यह विचार दीदी मंदाकिनी रामकिंकर ने ने श्रोता समुदाय के समक्ष प्रगट किए।

दीदी मंदाकिनी ने कहा कि आज कल की आधुनिक षिक्षा प्रणाली मैकाले के द्वारा अंग्रेजों के द्वारा बनाई गई है, जबकि भारत वर्ष की सनातन धर्म की जो अनादि दिव्य गुरु-शष्यि परंपरा है जिसके बच्चों को दीक्षित किया जाता था। दोनों में बहुत बड़ा अंतर है। जर्मनी का क्रूर नेता एडाल्फ हिटलर और संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदासजी का उदाहरण देते हुए दीदी ने समझाया कि दोनों की ही प्रारंभिक-बाल्यावस्था एक जैसी थी अत्यन्त प्रतिकूल, कठोरतापूर्ण और नकारात्मक भरी थी। पर यदि उस नकारात्मकता ने हिटलर के अवचेतन मन पर इतना बुरा प्रभाव छोड़ा- जो घृणा और नफरत से भरी गया और विश्व युध्द का मुख्य कारण बना, वही पर गोस्वामी तुलसीदास विश्व वंदय सेतु बन गए और ऐसे कालजयी ग्रन्थ के रचयिता बन गए कि आज 500 वर्षों में असंख्य लोग उनका आश्रय लेकर भवसागर तर गए। उसका संपूर्ण श्रेय इस गुरू-शिष्य परंपरा को जाता है।

अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को रौंदा, मौत

भोपाल, देशबन्धु। पिपलानी इलाके में शनिवार देर रात एक साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, उसे घायल अवस्था में एंबुलेंस से एम्स भिजवाया। जहां कुछ ही देर बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया है। उनके परिजन बाहर हैं, उनके भोपाल पहुंचने के बाद युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार पराग साहनी उम्र 38 वर्ष विकास नगर, गोविंदपुरा में रहता था। वह मिनाल गेट के पास निजी कंपनी में ग्राइंडर चलाता था। शनिवार को वह साइकिल से काम पर जाने का कहकर निकला था। रात करीब साढ़े 12 बजे के आसपास उसे कुछ राहगीरों ने इलाहबाद बैंक के सामने मुख्य सड़क पर घायल अवस्था में देखकर एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस उसे तत्काल एम्स लेकर पहुंची थी। एम्स पहुंचने पर कुछ ही देर बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस को मृतक की साइकिल में टूट फूट नजर नहीं आई है लेकिन मृतक के सिर में गंभीर चोट थी और मुंह से खून निकल रहा था। इसके साथ ही जांघ में भी घांव था। पुलिस का अनुमान है कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी है। मृतक की पत्नी फिलहाल लकीपुर उत्तर प्रदेश अपने मायके में है। उसके लौटने का इंतजार किया जा रहा है। सोमवार तक पत्नी के लौट आने की उम्मीद है। इसके बाद मृतक का पीएम कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस इस हादसे की हकीकत पता करने सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

विश्व मच्छर दिवस पर निकाली रैली

भोपाल, देशबन्धु। प्रतिवर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में रविवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी के निर्देशन में जिला मलेरिया कार्यालय भोपाल द्वारा डेंगू एवं मलेरिया जागरूकता रैली निकालकर मच्छर से बचाव हेतु संदेश दिया। रैली का शुभारंभ जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे एवं स्थानीय पार्षद शबिस्ता सुल्तान ने है झंडी दिखाकर किया। इस दौरान जिला मलेरिया सलाहकार, मलेरिया निरीक्षक, जोन प्रभारी, समस्त मलेरिया स्टाफ सहित एंबेड परियोजना से कार्यक्रम सहायक, बीसीसीएफ, यूथ इंजेजिमेंट टीम उपस्थित रही।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय डाक विभाग ने फिलैटली छात्रवृत्ति योजना दीन दयाल स्पर्श योजना वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत कक्षा 6टीं से 9वीं तक के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृति प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया है। जिसमें कक्षा 6वीं से कक्षा 9वीं तक प्रत्येक कक्षा में चयनित 10-10 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति की राशि 6 हजार रूपये एक वर्ष के लिए होगी। विस्तृत जानकारी भारतीय डाक विभाग की वेबसाइट अथवा संबंधित प्रवर अधीक्षक डाकघर, अधीक्षक डाकघर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जालसाज ने कैंसर मरीज बनकर छात्रा को लगाई 38 लाख की चपत

भोपाल, देशबन्धु। सरकारी विभाग के अधिकारी की बेटी से उसके ही दोस्त ने 38 लाख रुपए की ठगी की है। दोनों की दोस्ती ओपन टॉक नाम के एक एप पर हुई थी। यहीं दोनों ने एक दूसरे से मोबाइल नंबर ले लिए और फिर फोन पर दोनों के बीच बातें होने लगी। इस दौरान आरोपी ने स्वयं को कैंसर मरीज बताकर रकम मांगना शुरू की और 1 जनवरी 2019 से 19 अगस्त 2023 तक यह रकम कई बार में ऑन लाइन माध्यम से हड़पी गई है। साइबर क्राइम पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

एसआई विवेक आर्य ने बताया कि अनामिका गुप्ता (बदला हुआ नाम) ऐशबाग की एक कॉलोनी में परिवार के साथ रहती है। स्नातक की पढ़ाई के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। उसे अपनी इंग्लिश बोलने की क्षमता बढ़ाना था। लिहाजा किसी के दिये सुझाव के बाद उसने ओपन टॉक नाम के एप को मोबाइल में डाउनलोड कर लिया। यह एप अनजान लोगों के साथ इंग्लिश बोलने का मौका देता है। इस एप पर वर्ष 2018 में अनामिका की दोस्ती एक साई तेजा शर्मा नाम के व्यक्ति से हुई थी। एप पर ही दोनों ने मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान कर लिया। इसके बाद दोनों की फोन पर बातचीत होने लगी थी। युवक स्वयं को दक्षिण भारतीय बताता था। उसे हिंदी नहीं आती थी। दोस्ती के कुछ समय बाद साई तेजा ने स्वयं को कैंसर मरीज बताना शुरू कर दिया। फिर खुद की जिंदगी के चंद दिन बचे होने का झांसा देकर युवती को भावनात्मक रूप से अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद 1 जनवरी 2019 को पहली बार मदद के नाम पर डेढ़ लाख रुपए लिये। यह रकम उसने कुछ ही समय में लौटा दी। इसके बाद कई बार और मदद के नाम पर रकम ली और कुछ समय बाद लौटा दी। जब युवती उस पर भरोसा करने लगी तो आरोपी ने उससे कई बार में 37 लाख 88 हजार रुपए ऑन लाइन यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर कराकर हड़प लिए। जब आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया है। तो छात्रा ने साइबर पुलिस में शिकायत की। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी तलाश में जुट गई है।

कविता संग्रह घर बाहर का लोकार्पण

भोपाल, देशबन्धु। हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित कवि-कथाकार संतोष चौबे के नव प्रकाशित कविता संग्रह घर बाहर का लोकार्पण कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिटों हॉल), भोपाल में समारोह पूर्वक किया गया है। यह समारोह विश्व रंग के अंतर्गत आईसेक्ट पब्लिकेशन एवं वनमाली सृजन पीठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए सुप्रसिद्ध साहित्यकार ए. अरविंदाक्षन ने कहा कि एक बेहतरीन रचना असंख्य अनुभवों की सन्निहिति है। ऐसा अनुभव तब कवि को प्राप्त होता है जब कवि कविता को सही अर्थ में जीना शुरू करता है। संतोष चौबे के कविता-संकलन घर बाहर को इसी संदर्भ में देखना उचित लगता है। ख्यात कवि एवं आलोचक जितेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि संतोष चौबे एक ऐसे समर्थ कवि है जो समकालीन कविता के सुनिश्चित दायरे का अतिक्रमण लगभग अपने आरंभ से करते रहे हैं। उनकी कविताएँ पढ़ते हुए पाठकों को अक्सर लगता है जैसे वे अपनी ही आत्मा की इबारत बाँच रहे हैं।

इस अवसर पर संतोष चौबे ने अपने रचनाकर्म पर बोलते हुए कहा कि मेरी कविताओं का मूल तत्व करुणा है। मेरी कविताओं में कथा तत्व भी है। वीट भी है जिससे वे मार्मिक बनती है। बीज वक्तव्य देते वरिष्ठ कवि बलराम गुमास्ता ने कहा कि संतोष चौबे की कविताएँ अपने व्यापक अर्थ और संदर्भ में परम शक्ति और प्रकृति के सिद्धांतों के बीच मनुष्य जीवन के संबंधों और अपने आसपास से तादात्म्य बैठने में उपजी उनकी विडंबनाओं का संज्ञान लेती कविताएँ हैं। कार्यक्रम में आलोचक डॉ. विनोद तिवारी, वरिष्ठ कवि रामकुमार तिवारी ने वक्तव्य दिए गए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि रक्षा दुबे चौबे ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्यकारों और साहित्यप्रेमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भोपाल, सोमवार 21 अगस्त 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

शिक्षा से खौफ़ज़दा सरकार

21वीं सदी में इससे अधिक कुछ भी हास्यास्पद और दुखद एक साथ नहीं हो सकता कि किसी को यह कहने के लिये नौकरी से निकाल दिया जाये कि 'शिक्षित जनप्रतिनिधियों को वोट देना चाहिये।' ओपन प्लेटफॉर्म पर कार्यरत एडटेक कंपनी अनएकेडमी ने अपने उस टीचर को बर्खास्त कर दिया है, जिसने अपनी एक क्लास के दौरान चुनावों में पढ़े-लिखे उम्मीदवारों को वोट देने की सलाह दी थी। करण सांगवान नामक इस टीचर को बर्खास्त करने की पुष्टि करते हुए अनएकेडमी के को-फाउंडर रोमन सैनी ने ट्वीट कर लिखा कि 'सांगवान ने कंपनी की आचार संहिता को तोड़ा है इसलिए उन्हें हटाना पड़ा है।' माना जाता है कि सांगवान को केन्द्र सरकार की कथित नाराजगी के बाद नौकरी से हटाया गया है। अपने वीडियो में पढ़े-लिखे नेताओं को वोट देने की अपील के बाद करण सांगवान सोशल मीडिया के सभी माध्यमों पर जबर्दस्त ट्रेंड करने लगे थे। वैसे तो शिक्षित व्यक्ति को वोट देने की अपील से किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये क्योंकि इसमें तो कोई शक ही नहीं कि कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाये तो अशिक्षित व्यक्ति के मुकाबले पढ़ा-लिखा व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में समाज के लिये उपयोगी होता है। वैसे सांगवान का मामला यह साबित करने के लिये पर्याप्त है कि वर्तमान सरकार ने एक ऐसे भारत का निर्माण कर दिया है जिसमें साक्षरता को अवगुण की तरह लिया जा रहा है जबकि दुनिया भर में उच्च शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। देश में बढ़ती विवेकहीनता, अतार्किकता और अवैज्ञानिकता का कारण इस अकेले दृष्टांत से भी समझा जा सकता है।

सांगवान की बर्खास्तगी का कारण इसलिये सरकार की नाराजगी को माना जा रहा है क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर अक्सर सवाल उठते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कुछ और भी नेता व मंत्री भी ऐसे हैं जिनकी शैक्षणिक योग्यता पर संदेह व्यक्त किया जाता है। सांगवान की बर्खास्तगी राजनैतिक व सामाजिक हलकों में मज़ाक का विषय बन गया है। लोगों को लग रहा है कि सांगवान की विद्यार्थियों को दी गई सलाह इसलिये भाजपा को बुरी लग गई क्योंकि उसे लगता है कि यह उसके ही खिलाफ कहा गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तो बाकायदे प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर कहा कि 'आखिर यह बात (सांगवान की) सिर्फ भाजपा को ही क्यों बुरी लगी जबकि अन्य किसी को भी इससे आपत्ति नहीं हुई।' आपत्ति का कोई कारण भी नहीं बनता क्योंकि स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र का आधार ही गुणवत्तापूर्ण जनप्रतिनिधियों का चुनाव है। कार्टून तो इस आशय के भी तैर रहे हैं कि 'आज पढ़े-लिखों को चुनने की बात हो रही है। कल को यदि ईमानदार लोगों को चुनने की मांग होने लगे तो मुश्किल हो जायेगी।' दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सांगवान की बात को जायज बतलाया है। इसे कोई गलत कह भी नहीं सकता। सम्भवत: इस सरकार के द्वारा जिस प्रकार से विश्वविद्यालयों ही नहीं समस्त तरह की शिक्षाओं, विवेक और ज्ञान के खिलाफ वातावरण बनाया गया है यह उसी का परिणाम कहा जा सकता है। पिछले कुछ समय से बताया जा रहा है कि पढ़ना-लिखना व्यर्थ है। समाज का काम इसके बिना भी बखूबी चल सकता है। ऐसी अवधारणा विकसित करने का फायदा यह होता है कि सरकार शिक्षा के विकास पर मेहनत और खर्च करने से बच जाती है। शिक्षा को एक अनुपयोगी काम बतला देने से सरकार और गैर अलोकतांत्रिक व निरंकुश राजनैतिक दलों-नेताओं को कई लाभ होते हैं। सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि अशिक्षित लोगों की भीड़ निर्मित कर उन्हें मनचाही दिशा में हांका जा सकता है और किसी भी तरह के विचारों से उन्हें बरगलाया जा सकता है। आज सड़कों पर हिंसा व नफ़रत से भरे नौजवानों के जो हुजूम देखे जा रहे हैं वे शिक्षा से विरक्त जनसमुदाय ही हैं। यह दीगर बात है कि शिक्षा को व्यर्थ बतलाने वाले नेता स्वयं अपने बच्चों को खूब पढ़ाने-लिखाने में रुचि रखते हैं। उनके बच्चे देश-विदेश के अच्छे संस्थानों से पढ़-लिखकर निकलते हैं।

जनप्रतिनिधियों का पढ़ा-लिखा होना बेमतलब साबित करने वाले माहौल में ही योग्य नेताओं (जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह तक) के बारे में यह कहना लोगों को प्रभावित करता है कि उच्च शिक्षण का कोई फायदा नहीं है। 'हार्वर्ड बनाम हार्ड वर्क' का यह सिद्धांत दिया जाता है कि देश का भला उच्च शिक्षा से नहीं वरन कड़ी मेहनत से होगा। यह अलग बात है कि गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के लिये विख्यात संस्थानों में दाखिला लेना और उनमें विद्यार्जन करना किसी भी तरह से कम मेहनत का काम नहीं है। दूसरी तरफ, आज के वातावरण में अकेली मेहनत काम की नहीं जब तक कि व्यक्ति कुशाग्र बुद्धि व शिक्षित न हो।

सांगवान से मोदी सरकार की नाराज़गी का कारण यही हो सकता है कि उन्हीं के कार्यकाल के दौरान भारतीय समाज में ज्ञान का तिरस्कार और उसके प्रति घृणा फैलाने का काम हुआ है। देश के अच्छे विश्वविद्यालयों पर बमबारी करने की सलाह देना, वहां के स्वतंत्र चेता व सरकार विरोधी छात्रों को टुकड़े-टुकड़े गैंग बतलाकर उन्हें देश विरोधियों की शरणस्थली बतलाना आदि इसी वैचारिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अज्ञानता और विवेकहीनता पर गर्व की भावना शिक्षा के प्रति गहन अरुचि का परिणाम है जो थाली-ताली पीटने को महामारी उन्मूलन का उपाय मानने और देश की आजादी को 99 वर्षों की लीज़ पर बतलाने में संकोच नहीं करती। बाकी, विश्व गुरु बनने की चाहत तो अपनी जगह पर बनी हुई है ही।

जातिगत जनगणना ही करेगी हिन्दू- मुसलमान राजनीति का मुकाबला!

जातिगत जनगणना एक ऐसा मुद्दा है जिससे भाजपा सबसे ज्यादा घबराई हुई है। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल एक बार इसकी मांग उठाने के बाद फिर चुप हो गए हैं। इसकी शुरूआत राहुल गांधी ने कर्नाटक चुनाव में की थी। और देश में एक माहौल बना और राजनीतिक रूप से कर्नाटक में कांग्रेस को फायदा हुआ वह जीती। लेकिन उसके बाद कांग्रेस इसे भूल गई है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने कहा कि वह जातिगत जनगणना करवाएगी मगर अभी तक उसकी कोई शुरूआत नहीं की है।

कांग्रेस को और नए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया को समझ लेना चाहिए कि किसी मुद्दे को आधे अधूरे मन से उठाने से कोई फायदा नहीं होता है। उल्टे नुकसान की संभावनाएं ज्यादा रहती हैं। क्योंकि विरोधी तो आपके खिलाफ हो ही जाते हैं। लेकिन उससे सहमत लोग आपकी दुविधा की वजह से पूरी तरह आपके साथ नहीं आते हैं।

31 अगस्त और एक सितम्बर को मुबंई में होने वाली 26 विपक्षी दलों की तीसरी बैठक में संयोजक का चुनाव और 11 सदस्यीय संचालन समिति की घोषणा का तो एक औपचारिक महत्व है। असली बात वह माहौल बनाना है जिससे जनता हिन्दू-मुसलमान के जाल से निकलकर बाहर आए। पिछले 9 साल में जो हिन्दू-मुसलमान का नशा करवाया गया है उसका तोड़ जातिगत जनगणना ही है। कमंडल का जवाब मंडल की तरह।

मुबंई में अगर इंडिया ने जातिगणना जनगणना का मुद्दा उठा दिया और सरकार बनने की दशा में इसका आदेश सबसे पहले निकालने की घोषणा कर दी तो फिर भाजपा का कोई हिन्दू-मुस्लिम अजेंडा नहीं चल पाएगा। सीधा प्रस्ताव पास करना है कि इंडिया की सरकार बनने पर कैबिनेट की पहली बैठक में जातिगत जनगणना करवाने का आदेश पारित किया जाएगा।

देखिए इस प्रस्ताव के पास होते ही कैसे माहौल बदलता है। साम्प्रदायिकता का सारा नशा काफूर हो जाएगा। पिछड़े दलित आदिवासी को जैसे ही अपने अधिकार मालूम होंगे वह अपने और अपने बच्चों के भविष्य के लिए खड़ा हो जाएगा। आज तो उसे बेरोजगारी, महंगाई, सरकारी शिक्षा, सरकारी चिकित्सा खत्म होने का कोई अहसास ही नहीं है। वह तो नफरत की आग में जल रहा है। मणिपुर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नफरत और विभाजन की आग जलते साढ़े तीन महीने हो गए। प्रधानमंत्री नहीं गए तो नहीं गए।

आग कैसे बुझेगी? इस पर कोई बात नहीं। मीडिया तो पूछ भी नहीं सकता है। एक परम गोदी एंकर ने टमाटर पर ही पूछ लिया तो उसे जेल की याद दिला दी गई। माहौल ऐसा है कि सारे सवाल राहुल के लिए ही हैं। झूठे, महाझूठे सब। लोकसभा के सारे कैमरे खंगाल लिए मगर उस फ्लाइंग किस का कोई फ्लाइंग हिस्सा भी नहीं मिला। क्या आरोप लगाने वाली मंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं होना चाहिए। उसी प्रोग्राम में जिसमें टमाटर के भाव और जेल की यादें दिलाई गईं फ्लाइंग किस का मुद्दा फिर उठा। मंत्री ने यह कहकर बचाव किया कि पत्र मैंने नहीं लिखा। मगर लोकसभा में बोला तो उन्होंने ही था। फिर साबित करने की जिम्मेदारी भी

शकील अख्तर

बिहार अभी भी कई मामलों में लीड कर रहा है। इस तरह से झूठी खबरों के खिलाफ तो कर ही रहा है। जातिगत जनगणना में भी उसी ने पहल की थी। हाईकोर्ट से रोक लगी मगर फिर नीतीश कुमार और तेजस्वी की सरकार ने उसके खिलाफ लड़ कर उसे हटवाया और जातिगत जनगणना का काम फिर शुरू हो गया।

उन्हीं की है। और सदन के बाहर टीवी प्रोग्राम में उस आरोप को फिर से दोहराया ही।

मजेदार है टीवी गाली भी खा रहा है और प्रचार भी उनका ही कर रहा है। हिन्दू-मुसलमान का भरपूर जहर इसी एंकर ने फैलाया और उसी को जेल की याद दिलाई जा रही है।

खैर यह मीडिया तो आखिरी आखिरी तक अपनी वफादरी निभाएगा। इसका इलाज तो जनता ही करेगी। जब हिन्दू-मुसलमान की तरह जातिगत जनगणना को भी यह गलत तरीके से पेश करेगा तो उससे जब पिछड़े का नुकसान होगा तो वह सीधे इस मीडिया से बात करेगा। बिहार में यह मीडिया उस तरह उपद्रव नहीं कर पाता है जिस तरह शेष हिन्दी प्रदेशों में कर रहा है। वहां तमिलनाडु की एक गलत खबर दिखाने पर बिहार सरकार और तमिलनाडु सरकार ने एक पत्रकार पर जिस तरह कड़ी कार्रवाई की उससे पूरे बिहार में सही संदेश गया कि झूठी खबर दिखाने का नतीजा बहुत बुरा होगा।

बिहार अभी भी कई मामलों में लीड कर रहा है। इस तरह से झूठी खबरों के खिलाफ तो कर ही रहा है। जातिगत जनगणना में भी उसी ने पहल की थी। हाईकोर्ट से रोक लगी मगर फिर नीतीश कुमार और तेजस्वी की सरकार ने उसके खिलाफ लड़ कर उसे हटवाया और जातिगत जनगणना का काम फिर शुरू हो गया।

बिहार की तरह ही हिन्दी भाषी क्षेत्र के दूसरे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इसकी मांग तेज हो गई है। मगर वहां की भाजपा सरकार ने इसे करवाने से मना कर दिया। अब वहां की दो बड़ी पार्टियों सपा और बसपा को देखना है कि अगर वे इस मांग को जोरदार तरीके से नहीं उठाते हैं तो उनके पिछड़े और दलित समर्थकों पर क्या प्रभाव पड़ता है। क्या यूपी का ओबीसी नहीं चाहता कि सरकारी क्षेत्रों में उसे अपनी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी मिले? दलित नहीं चाहता कि उसका आरक्षण जो लगातार कम किया जा रहा है वह वापस पूरा मिले और निजी क्षेत्र में उसे आरक्षण दिया जाए। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने खुलकर प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण की मांग की है। जबकि सार्वजनिक क्षेत्रों में तो हालत यह है कि एक तो उन्हें खत्म ही किया जा रहा है दूसरे जो हैं वहां आरक्षण वाले पद भरे ही नहीं जा रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकारों का भी यही हाल है। अकेले रेल्वे में ही तीन लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि सरकारी विभागों में तीस लाख से ज्यादा पद खाली हैं।

मगर अब यह कोई मुद्दा ही नहीं रहा। जब सेना में ठेके पर भर्ती होने लगे तो बाकी विभागों का तो महत्व ही क्या? इस बात को इस तरह समझ लीजिए कि अगर कांग्रेस या लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी इस तरह का फैसला लेते तो क्या होता? सीधे-सीधे उन पर देश बेचने का आरोप लगा दिया जाता। मीडिया उनकी लींचिंग का माहौल तैयार कर देता।

राहुल ने इसी लिए एक सिम्पल नारा दिया था। जितनी आबादी उतना हक। देखन में छोटन लगे घाव करे गंभीर! अगर कांग्रेस और विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया इस नारे को ठीक से उठा ले तो हिन्दू-मुसलमान गुब्बारे की सारी हवा निकल जाएगी।

गरीब को अपना अधिकार क्यों नहीं चाहिए। अभी राहुल रामेश्वर के साथ मुलाकात में न्याय स्कीम की बात कर रहे थे। राहुल अगर 2024 में जीत जाएंगे तो इसे जरूर लागू करेंगे। हर गरीब को छह हजार रुपया महीना। 72 हजार रुपए साल का देना। मगर समस्या यह है कि राहुल के आसपास के लोग ही उन्हें काटने में लगे रहते हैं।

आपको एक आश्चर्यजनक बात बताएं। सबको मालूम है कि टीवी राहुल को नहीं दिखाता है। पूरी भारत जोड़ो यात्रा गायब कर दी। लेकिन कांग्रेस तो महान है। जब राहुल का रामेश्वर से मिलने का वीडियो आया तो उसे जिसने पूरा दिखाया उससे कांग्रेस कहने लगी कि आप अपने चैनल से इसे हटाओ। है ना आश्चर्य। और घोर आश्चर्य इसमें यह है कि उस वीडियो का पूरा लिंक राहुल ने खुद अपने ट्वीट में दिया था।

अब पार्टी में राहुल से बड़ा कौन है यह कांग्रेस ही जाने। राहुल का वीडियो दिखाने पर आपत्ति क्यों? इसका जवाब किसी के पास नहीं है। कांग्रेस किस तरह अपनी पार्टी चलाती है यह वह जाने! मगर अब राहुल पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर जनता के नेता बन गए हैं। कांग्रेस में जी-23 बनी थी। 23 वरिष्ठ नेताओं का गुट। जो राहुल को पार्टी से बाहर करना चाहता था। मगर राहुल को यात्रा से मिले भारी जन समर्थन से वह घबरा गया। चुप बैठ गया। मगर अब राहुल के नजदीक के लोग उनका कद कम करने में लग गए हैं। कांग्रेसी नेता को हमेशा अपने शिकंजे में रखना चाहते हैं। इन्दिरा गांधी नहीं रहीं। शुरू में उनके लिए भी बहुत कोशिश हुई। उन्हें पार्टी तोड़ना पड़ी। मगर राजीव, सोनिया पर कांग्रेसियों ने अपना कब्जा बना कर रखा। ऐसा ही राहुल पर चाहते हैं। अब यह राहुल पर है कि वे इन्दिरा बन कर खुद लोगों से मिलना जुलना शुरू करते हैं या राजीव और सोनिया की तरह कांग्रेसियों की आंख कान से ही सब देखते सुनते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

चंद्रबाबू नायडू ने खो दी भाजपा से सौदेबाजी की ताकत

■ सुशील कुट्टी

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की 2024 में राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह एनडीए में हैं या नहीं। नायडू इस बात पर जोर देते हैं कि उनकी एक भूमिका होगी और अगर टीडीपी के भाजपा के साथ हाथ मिलाने की बात सच है, तो उनकी एक निश्चित भूमिका हो सकती है।

चाहे जो हो, 2024 अभी भी बहुत आगे है, भले ही जिस गति से एक के बाद एक शुक्रवार बीते जा रहे हैं और भाजपा-तेदेपा गठबंधन जोर नहीं पकड़ रहा है, वह एक और कहानी बताता है। तथ्य यह है कि जब नरेंद्र मोदी खुद को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री घोषित कर चुके हैं तो नायडू की भूमिका क्या होगी।

चंद्रबाबू नायडू मोदी के लिए किसी भी अन्य राजनेता से अलग नहीं हैं। क्या कोई भी राजनेता यानी मोदी की पार्टी भाजपा सहित किसी भी पार्टी का कोई राजनेता, खड़ा होकर मोदी को याद दिला सकता है कि वह जब चाहें तब खुद को प्रधानमंत्री घोषित नहीं कर सकते। इसके बजाय, जो हम देखते हैं वह स्वीकृति है- पूर्ण स्वीकृति। फिर यहां चंद्रबाबू भी कह रहे हैं कि वह 2024 में अपनी भूमिका के बारे में 'स्पष्ट' हैं।

आंध्र प्रदेश अभी भी राज्य के विभाजन से उबर नहीं पाया है। जहां जगनमोहन रेड्डी नतीजे से खुश दिख रहे हैं, वहीं चंद्रबाबू नायडू अपने कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी लेकर चल रहे हैं। नायडू 'अमरावती' को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने पर अड़े हैं जबकि जगनमोहन रेड्डी विशाखापत्तनम को राजधानी बनाना चाहते हैं। यह एक कड़ा गतिरोध है। क्या भाजपा का कोई विचार है?

वैकल्पिक रूप से, तेदेपा को आंध्र प्रदेश विधानसभा जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए, जिसके लिए चुनाव 2024 में भी निर्धारित हैं। नायडू सबसे ज्यादा खुश होंगे अगर वह वाईएसआरसीपी के जगन रेड्डी को हटा दें। मुख्यमंत्री रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके हुए हैं और आंध्र प्रदेश के एक समय के अति-शक्तिशाली मुख्यमंत्री चंद्रबाबू अब इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। चंद्रबाबू उस दिन का सपना देखता है जब तेदेपा आंध्र प्रदेश में सत्ता में लौटेगी और आंध्र प्रदेश के लिए उसने जो योजनाएं बनाई हैं वे सभी सच होंगी।

पिछले कई महीनों, हफ्तों और दिनों से भाजपा के तेदेपा से हाथ मिलाने की चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री की पार्टी ने अफवाहों को जीवित रखा है और तेदेपा के राजग में शामिल होने और वाईएसआरसीपी के लोकसभा और राज्यसभा में सहायक भूमिका के लिए समझौता करने की चर्चा जारी है। पिछली बार सुना था, नायडू अपने पद से डिगे नहीं थे। न तो जगन रेड्डी और न ही जेपी नड्डा। सभी लोग अपनी-अपनी बात पर अड़े रहे।

इतना ही नहीं, जब नायडू से उनकी योजनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'राजग में शामिल होने के बारे में बात करने का यह सही समय नहीं है। मैं इस बारे में सही समय पर बात करूंगा।' नायडू का 'सही समय' अतीत में है, जो उनके भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

चंद्रबाबू नायडू यह भी भूल जाते हैं कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संस्थापकों में से एक थे, जिसे केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश को 'विशेष दर्जा' देने से इंकार करने के बाद उन्होंने गुस्से में छोड़ दिया था। अब, कई मौके गंवाने के बाद, नायडू इस बात पर जोर दे रहे हैं कि उनकी 'प्राथमिकता' आंध्र प्रदेश है- उनका 'बड़ा एजेंडा'।

चंद्रबाबू नायडू एक शानदार राजधानी के साथ आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए जी रहे हैं, लेकिन देखने से लगता है कि उनका यह सपना एक सपना और उनकी मरणासन्न इच्छा बनकर रह जायेगा क्योंकि मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी अभी चंद्रबाबू नायडू के सपनों को साकार करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, वह नर्सरी कविताएं भी गा सकती है।

भाजपा की आंध्र प्रदेश इकाई की कमान एनटीआर की बेटी जी पुरंदेश्वरी को देने से रत्ती भर भी फर्क नहीं पड़ा है। अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ भाजपा का गठबंधन अब तक की एक मात्र उपलब्धि है। फिर पवन कल्याण कोई झुलसी हुई धरती का चुनाव जीतने की नीति वाले हनुमान नहीं हैं जो उन्हें भाजपा का आदर्श बना देंगे। शेष भारत के लिए, आंध्र प्रदेश एक ऐसा राज्य है जिस पर लोगों का ध्यान नहीं जाता। यह ऐसा है जैसे आंध्र प्रदेश में चुनाव कोई खास महत्व नहीं रखते। पड़ोसी तेलंगाना सारा ध्यान खींच लेता है और सारी ऑक्सीजन सोख लेता है।

आंध्र प्रदेश अभी भी राज्य के विभाजन से उबर नहीं पाया है। जहां जगनमोहन रेड्डी नतीजे से खुश दिख रहे हैं, वहीं चंद्रबाबू नायडू अपने कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी लेकर चल रहे हैं। नायडू 'अमरावती' को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने पर अड़े हैं जबकि जगनमोहन रेड्डी विशाखापत्तनम को राजधानी बनाना चाहते हैं। यह एक कड़ा गतिरोध है। क्या भाजपा का कोई विचार है?

जून 2014 में आंध्र प्रदेश को दो भागों में विभाजित कर दिया गया- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। आंध्र प्रदेश को 10 वर्षों में एक नई राजधानी ढूंढनी थी, जो नहीं हुई। आंध्र प्रदेश में 2024 में विधानसभा और संसदीय दोनों क्षेत्रों में चुनाव होने हैं। कोई खास उत्साह नहीं है और तीनों प्रमुख पार्टियां केवल उदासीनता दिखा रही हैं। कांग्रेस बेहोश है। मतदाता हतप्रभ हैं।

भाजपा चाहती है कि तेदेपा और राज्य में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी कुर्सी पर टिके रहने में मदद करें। जमीनी काम हो चुका है और अब सब कुछ भाजपा पर निर्भर है। भाजपा की आंध्र प्रदेश में बहुत कम उपस्थिति है और लगातार तीसरी बार भारत पर शासन करने की मोदी की महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए एक मजबूत क्षेत्रीय सहयोगी की आवश्यकता है।

आज नागपंचमी

प्रकृति संरक्षण से जुड़ा है नागपंचमी का पर्व

हमारी प्राचीन परंपरा के चलते ही नाग को देवता मानने की आस्था ने ही सांपों को संरक्षण से जोड़ा था। श्रावण मास में पड़ने वाली शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी के रूप में जाना जाता है। इस दिन नागों की पूजा कर हिंदू धर्मावलंबी उनसे अपने जीवन की रक्षा हेतु प्रार्थना करते हैं।

पर्यावरण संतुलन में मददगार होने और फसलों की रक्षा करने के कारण ही नाग को आदिकाल से देवता के रूप में पूजा जाता रहा है। भगवान विष्णु की शैय्या और शिव शंकर के गले का हार होने के कारण नाग लोगों की आस्था से जुड़ा जीव बन गया है। यही कारण है कि नाग पंचमी का पर्व धार्मिक आस्था एवं विश्वास के सहारे हमारी बेहतरी की कामना का प्रतीक बन गया है। यह पर्व हमें जीव-जंतुओं के प्रति समभाव , हिंसक प्राणियों के प्रति दया भाव के साथ ही अहिंसा के अभय दान की प्रेरणा देता है। नाग पंचमी का पर्व हमें पर्यावरण से जोड़ता है। हमारी संस्कृति ने उन सभी जीवों, वनस्पतियों तथा वस्तुओं को सम्मान दिया है जो हमारे अस्तित्व को बचाने में सहायक हैं। नाग को देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। हिंदू धर्म-ग्रंथों के अनुसार नाग महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कदरू की संतान हैं। पुराणों के अनुसार सूर्य के रथ में बारह सर्प (नाग) विराजमान हैं। यही नाग प्रत्येक माह रथ के वाहक बनते हैं। हमारे धर्म ग्रंथ में आए कथानकों के अनुसार शेषनाग ही रामावतार में लक्ष्मण और कृष्णावतार में बलराम के रूप में अवतरित हुए थे।

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और सिंधु घाटी की सभ्यता के अवशेष इस बात के साक्षी हैं कि नागों के पूजन की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। मिस्र की सभ्यता भी अत्यंत प्राचीन है जहां आज भी शेख हरेदी नामक पर्वत पर सांपों की पूजा की जाती है। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में नाग पंचमी का उत्सव सपेरों के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। देखा जा रहा है कि पर्वतीय प्रदेशों में नाग पूजा का प्रचलन अधिक है। सुप्रसिद्ध संस्कृत कवि कल्हण ने राज तरंगिणी ग्रंथ में कश्मीर की धरती का दिव्य सपेरों से संबंध बताया है। अनंतनाग नामक स्थान इस बात का ऐतिहासिक प्रमाण है। यह मान्यता भी है कि नाग पंचमी के दिन भगवान श्री कृष्ण द्वारा कालिया मर्दन लीला हुई थी। इसी तरह भविष्य पुराण में कथानक है कि देवासुर संग्राम में हुए समुद्र मंथन से उच्चश्रवा नामक अश्व (घोड़ा) निकला था। उसे देखकर नाग माता कदरू ने अपनी सौत विनीता से कहा इस घोड़े का रंग सफेद है, परंतु बाल काले दिखाई पड़ते हैं। इस बात को लेकर दोनों में विवाद बढ़ गया। पुत्र नागों द्वारा विरोध करने पर कदरू ने क्रोधित होकर उन्हें राजा जन्मेजय द्वारा किए जाने वाले सर्प यज्ञ के दौरान भस्म हो जाने का श्राप दे डाला। तब ब्रह्माजी के वरदान से आस्तिक मुनि ने सर्प यज्ञ को रोककर नागों के प्राणों की रक्षा की। मान्यता है कि ब्रह्मा जी द्वारा पंचमी के दिन वरदान दिए जाने और पंचमी के दिन ही आस्तिक मुनि द्वारा नागों की रक्षा किए जाने के कारण पंचमी तिथि नागों को समर्पित कर दी गई।

नागपंचमी पर मुख्यत: पांच पौराणिक नागों की पूजा होती है- अनंत, वासुकी, तक्षक, कर्कोटक एवं पिंगल। असंख्य फन वाले अनंत शेषनाग की शैय्या पर भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। वासुकी नाग को मंदराचल में लपेटकर समुद्र मंथन हुआ था। तक्षक के डसने से राजा परीक्षित की मृत्यु हुई थी। नागवंशी कर्कोटक के छल से रुष्ट होकर नारद जी ने उसे श्राप दिया था। हिंदू व बौद्ध साहित्य में पिंगल को कलिंग में छिपे खजाने का संरक्षक माना गया है।

डॉ सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

तासीर टमाटर की

वर्तमान में देश में कई चर्चित मुद्दे हैं जिनमें टमाटर की बढ़ी कीमत भी एक प्रमुख है। बढ़ी हुई कीमतों से यह हमारे भोजन की थाली से तो दूर हुआ ही है, परंतु इसकी लूट की भी कई घटनाएं हुई हैं। प्रमुख सब्जी के रूप में प्रचलित टमाटर की खोज 15वीं सदी में हुई थी। एक मान्यता के अनुसार टमाटर 700 ईसा पूर्व भी मौजूद था। मैक्सिको के आदिवासी अपनी भाषा में इसे 'टोमेटो' कहते थे। आदिवासियों का शब्द 'टोमेटो' अंग्रेजी में ऐसे ही स्वीकार कर लिया गया।

दक्षिणी अमेरिका के पेरू में पहली बार टमाटर की खेती की गयी थी। टमाटर की खोज के समय यह स्पष्ट नहीं था कि यह विषैला है या खाने योग्य। यूरोप में टमाटर 15वीं सदी में ही पहुंच गया था, परंतु वहां लोग इसे 200 वर्षों तक खाने से डरते रहे एवं इसे 'पाइजन-एपल' कहा गया। इसका कारण यह था कि कई लोग टमाटर खाकर मर जाते थे। बाद में अध्ययन करने पर पाया गया कि मौत का कारण टमाटर नहीं, अपितु सीसे (लेड) की परत वाली प्लेट थी जिसमें रखकर टमाटर खाये जाते थे। 'ऐपीडी साइट' का कारण मानते रहे। बाद में हुए कुछ अध्ययनों से पता चला कि इसका फल तो खाने योग्य है, परंतु इसकी पत्तियां एवं तना विषैला हो सकते हैं। फल को खाने योग्य माने जाने के बाद इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इटली एवं स्पेन के लोगों ने इसकी खेती शुरू की एवं इसका नाम 'गोल्डन-एपल' रखा गया। फ्रांस में टमाटर को 'लव-एपल' कहा गया।

26 सितम्बर, 1820 को सेलम के कर्नल राबर्ट जॉनसन द्वारा दो-ढाई हजार लोगों के सामने टोकनी भर टमाटर खाने एवं कुछ नहीं होने पर अमेरिकी लोगों ने इसे फल व सब्जी के रूप में मान्य किया। अमेरिका के ही एक व्यापारी ने 1893 में यह दावा किया कि टमाटर एक फल है इसलिए इस पर सब्जी-कर नहीं लिया जाए। वहां के उच्च न्यायालय ने इस दावे पर निर्णय दिया कि टमाटर ज्यादातर सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है, अत: यह कर योग्य है। वर्तमान में टमाटर आलू एवं प्याज के समान ही लोकप्रिय है एवं विश्व की 10 लोकप्रिय सब्जियों में 06 वें स्थान पर है।

वनस्पति विज्ञान में इस शाकीय पौधे को 'लाइकोपर्सिकम एस्कुलेंटम' कहते हैं जो 'सोलोनेसी कुल' का सदस्य है। यह विटामिन ए व सी के साथ पोटेशियम, कैल्शियम तथा फास्फोरस का भी अच्छा स्रोत है। फल को लाल रंग देने वाला रसायन 'लायकोपीन' कैंसर तथा हृदय रोग की रोकथाम में भी कारगर बताया गया है। पके फलों से इस रसायन को हमारा शरीर आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसके अन्य औषधीय गुणों को जानने के लिए अनुसंधान किये जा रहे हैं। स्पेन के ब्यूनाल में एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने और उसके रस में भीगने का एक वार्षिक त्यौहार 'ला-टामेटिया' मनाया जाता है। इसे मनाने हेतु लगभग एक लाख किलो टमाटर का उपयोग किया जाता है।

हमारे देश में यह 16वीं सदी के प्रारंभ में पुर्तगालियों द्वारा लाया गया था। उस समय लोग इसे 'विलायती बैंगन' कहते थे। वर्तमान में इसकी खेती ज्यादातर राज्यों में की जाती है, उनमें प्रमुख हैं-महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक। हमारे देश के अलावा चीन, तुर्की, ईरान, स्पेन एवं ब्राजील में भी यह काफी उगाया जाता है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी कई किस्में तैयार की हैं। इन किस्मों में आकार, स्वाद एवं रंग में काफी भिन्नता है।

छोटी चेरी तथा ग्रेप किस्मों के टमाटर छोटे होने के कारण पूरे खाये जाते हैं। 'भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्था' के वैज्ञानिकों ने ऐसी किस्म तैयार की है जिसके एक पौधे पर 19-20 किलो टमाटर लगते हैं। कर्नाटक में कुछ वर्षों पूर्व इसकी खेती प्रारंभ की गयी थी। 'उत्तराखंड राज्य जैव-विविधता परिषद' के वैज्ञानिक इसकी एक झाड़ी समान विदेशी प्रजाति 'टमरै-लो' को भी उगाने का प्रयास कर रहे हैं।

- डॉ. ओ.पी. जोशी

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

महिलाओं ने हर्षोल्लास से मनाया हरियाली तीज का पर्व

भैरूंदा/नसरुल्लागंज, देशबन्धु। नगर में हरियाली तीज का त्यौहार महिलाओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ परशुराम संस्कार केन्द्र में मनाया। महिलाओं ने दोपहर में आयोजित कार्यक्रम में भगवान शिव पार्वती की विधिवत पूजा करते हुए पति की दीर्घायु की कामना के साथ अपनी व परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके बाद महिलाओं ने श्रावण मास के गीत गाए एवं आधुनिक व पारंपरिक परिवेश में लोकगीत भी गाए। आयोजन स्थल पर महिलाओं ने प्रतीकात्मक झूला भी झूला। इस अवसर पर नगर के अग्रवाल समाज की समस्त महिला पदाधिकारी एवं अन्य महिला मंडल उपस्थित रही। सभी ने बड़े ही हर्षोल्लास से हरे रंग की साड़ियां पहनकर श्रावण की हरितिमा युक्त परिधान एवं श्रृंगार किया।सभी ने एक दूसरे को बधाईयां दी।

तुलसी जयंती महोत्सव रजत जयंती समारोह आयोजित होगा

रायसेन/देवरी, देशबन्धु। मानस जागृति मंडल देवरी के तत्वावधान में स्थापना वर्ष से प्रतिवर्ष तुलसी जयंती महोत्सव मनाया जाता रहा है। इस वर्ष मानस जागृति मंडल देवरी को 25 वर्ष में यह कार्यक्रम रजत जयंती के रूप में मनाया जोगा। यह महोत्सव 23 अगस्त को श्री रामजानकी मंदिर प्रांगण देवरी में आयोजित किया जाएगा। जिसमें श्री रामचरित मानस के पांच दोहों का पाठ उसके बाद मंडल के वक्ताओं का उद्बोधन तदुपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पंडित रामगोपाल तिवारी, मानस रत्न बांदा उत्तर प्रदेश विशिष्ट अतिथि पंडित सुदामा, प्रसाद शास्त्री, मानस विश्वामित्र उदयपुरा के माध्यम से मानस पर चर्चा विस्तार पूर्वक की जाएगी। अभी तक मानस जागृति मंडल द्वारा 1368 कार्यक्रम 500 घरों में आयोजित हो चुके हैं।

कांग्रेस ने राजीव गांधी अस्पताल में फल वितरित किए

सिरोंज, देशबन्धु। राजीव गांधी अस्पताल में ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी सिरोंज के नेतृत्व में राजीव गांधी जयंती पर फल वितरण किए। इसमें सभी कांग्रेस पार्टी के साथी शामिल हुए एवं उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। नगर अध्यक्ष हाजी इरशाद गौरी लेखराज सिंह बघेल, रामदयाल विश्वकर्मा अशोक यादव, आमिर अंसारी अंकित भार्गव, नवल रघुवंशी बिलकिस जहां, सुशीला वंशकार रानी साहू, राम दुलारी पाठक, जफर खान, असलम गोरी ,जुनैद खान, डॉ वसीम ,डॉ सुभान, रजत गौड़, सादिक कुरैशी,, आसिम दाद, साहबजादे कुरेशी, विनय सिंह यादव ,कमल सिंह यादव, चंदू ठेकेदार, रवि शर्मा, कृष्ण मोहन शर्मा आदि मौजूद रहे।

जिला पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव सितंबर में

रायसेन, देशबन्धु। जिला पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसके लिए चुनाव 27 सितंबर को होगा। मतदाता सूची में नाम जोड़ने की अंतिम तिथि 26 अगस्त है। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी चुनाव के दो दिन पूर्व 23 सितंबर को नामांकन प्राप्त कर सकते है। इस चुनाव के मतदान के दिन ही मतगणना की जाएगी।

फसल को बचाने फेंसिंग में बिजली करंट छोड़ने से हुई घटना, 3 आरोपी गिरफ्तार

खेत में करंट से युवक की मौत, पत्थर बांधकर कुएं में फैंक दिया था शव

गैरतगंज, देशबन्धु। बीते चार दिन पहले तहसील के पेनगवां गांव के एक युवक की पत्थर से बंधी कुएं में मिली लाश के मामले में पुलिस पड़ताल में करंट से मौत होने के बाद तीन लोगों द्वारा लाश को छुपाना पाया गया है। मृतक एक आरोपी के खेत में फैले करंट की चपेट में आया था। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। पेनगवां गांव में बीती 16 अगस्त को भारतसिंह यादव नामक व्यक्ति खेत में मशरूम लेने जाने के दौरान गायब हो गया था। बाद में उसकी लाश 17 अगस्त को पास के ही ऊसरमेंटा गांव के कुएं में पत्थर से बंधी हुई बरामद हुई थी। इस संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस घटना के बाद से ही पड़ताल में लगी हुई थी। मृतक भारत सिंह यादव पिता करणसिंह यादव 40 वर्ष की पत्नी रुक्मणि ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका पति घर से मशरूम लेने जंगल जाने की बात कहकर घर से निकला था जो वापस नही आया। पुलिस ने गुम इंसान प्रकरण कायम कर जांच में लिया था। इस संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस अधीक्षक विकास सहवाल ने घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए थे। जिस पर पुलिस टीम ने घटना स्थल पहुंचकर परिजनो एवं ग्राम के लोगों से पूछताछ कर घटना स्थल का निरीक्षण किया, जो प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाया गया।

पुलिस ने गांव के आसपास के खेत तथा जंगल के संभावित स्थानों पर तलाशी ली। जिस पर रणधीर यादव निवासी पेनगवां के खेत के पास झाड़ियों मे गुम इंसान भारत सिंह का एक जूता मिला। संदेहास्पद मामला होने से पुलिस ने परिजन तथा गांव के लोगों के साथ जूता मिलने वाले स्थान के आसपास क्षेत्र की बारीकी से तलाशी ली। जिस पर राजाराम लोधी निवासी उंसरमेंटा के कुएं के पानी में तलाश करने पर भारत सिंह का शव पत्थर से बंधी हुई हालत में मिला था। पड़ताल में मृतक भारत सिंह के बांये पैर में बिजली करंट से जलने जैसी चोट पाई गई। मृतक के शव का पीएम कराया गया। जिसकी पीएम रिपोर्ट के अनुसार बिजली करंट से मृत्यु होना पाया गया। घटना स्थल के पास रणधीर सिंह यादव के खेत में बिजली तार काफी दूर से लेकर आना तथा उसके खेत की मेढ़ में तार फेंसिंग लगी होना पाया गया। संदेह होने पर खेत मालिक रणधीर यादव निवासी पेनगवां से बारीकी से पूछताछ करने पर उसने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसके द्वारा अपने खेत में लगी फसल की सुरक्षा हेतु खेत की तार फेंसिंग में बिजली करंट लगाया गया था।

जिसकी चपेट में भारत सिंह यादव आ गया तथा उसकी मृत्यु हो गई। उसने अपने आप को बचाने के उद्देश्य से गांव के राजाराम अहिरवार तथा अमान सिंह आदिवासी के साथ मिलकर भारत सिंह के शव को पत्थर बांध कर राजाराम लोधी निवासी उंसरमेंटा के खेत में बने कुएं में फेंक दिया। घटना को छिपाने के लिए उसने यह कृत्य किया। थाना प्रभारी महेश टांडेकर ने बताया कि पुलिस ने घटना के आरोपी रणधीर यादव निवासी पेनगवां, राजाराम अहिरवार निवासी पेनगवां, अमान सिंह आदिवासी निवासी पेनगवां को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से पूछताछ के लिए 22 अगस्त तक के लिए पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है ।

प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में आप कार्यकर्ता धरने पर बैठे

सिरोंज, देशबन्धु। गत दिवस नगर पालिका प्रशासन, एसडीएम और पुलिस अमले के साथ जो अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाकर अस्थाई अतिक्रमण हटाए उसमें पक्षपात पूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज तहसील कार्यालय के समक्ष धरना दे दिया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि राजनीतिक दवाब में प्रशासन ने बिना नोटिस के एवं बिना कोई सूचना के विशेष तौर से विपक्ष के लोगों पर टारगेट किया गया। इसके विरोध में सिरोंज तहसील प्रांगण में सांकेतिक भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रर्दशन किया गया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सिरोंज टी आई तहसील आये परमिशन नहीं होने की बात करके असंवैधानिक तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे लोगो को हटा दिया गया। इसके पश्चात आम आदमी पार्टी ने राज्यपाल के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा और मांग की कि सभी पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए न कि राजनीतिक दबाव में विपक्ष के लोगों पर असंवैधानिक तरीके से कार्रवाई की जाये। धरना प्रदर्शन के दौरान आम आदमी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों का टीआई संदीप पवार के बीच गरमा गरम बहस हुई जहां पर टीआई उन्हें हटाने बात करते रहे उन्होंने कहा कि इस तरह से धरना प्रदर्शन करना असवैधानिक है पहले अनुमति लेनी चाहिए इसके बाद धरना प्रदर्शन करना उचित रहता है वरना धरना अनुचित है। आम आदमी के ब्लॉक अध्यक्ष रजत सक्सेना ने आरोप लगाया है कि प्रजातांत्रिक तरीके से कर रहे धरना प्रदर्शन को प्रशासन में कुचल दिया और जनता की आवाज को सरकार तक न पहुंचने में बाधा पहुंचाई। टीआई पवार का कहना है कि नियम कायदे के अनुसार वे गलत थे उन्हें ज्ञापन देना था हमने दिलवा दिया वह जो चाहे कह सकते हैं। इस दौरान आम आदमी पार्टी के लोकसभा प्रभारी सम्मान सिंह राजपूत, ब्लॉक अध्यक्ष रजत सक्सेना, वाजिद मैकेनिक, सोहेल खान, सब्बू गोरी, अभिषेक धाकड़, बृजेश धाकड़, देवेंद्र केवट आदि मौजूद रहे।

एलबीएस कॉलेज में आयोजित हुई निबंध प्रतियोगिता

सिरोंज, देशबन्धु। नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय सिरोंज में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जागरूकता का संदेश देने तथा नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा भूमि शर्मा, द्वितीय स्थान एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा संजना पंथी एवं तृतीय स्थान बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा निशा नामदेव ने प्राप्त किया।

समर्थन मूल्य पर बेची मूंग, एक माह बाद भी भुगतान नहीं

साढ़े 6 सौ से अधिक किसानों का भुगतान लंबित, 21 अगस्त से आंदोलन का एलान

गैरतगंज, देशबन्धु। तहसील के 650 से ज्यादा किसानों को उनके द्वारा समर्थन मूल्य पर बेंची गई मूंग का भुगतान नहीं हुआ है। किसान संगठन कई बार भुगतान की मांग कर चुका है पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। नतीजतन किसान संगठन ने 21 अगस्त सोमवार से आंदोलन का एलान कर दिया है। बीते एक माह पहले तहसील के 650 से ज्यादा किसानों ने तहसील के तीन समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर मूंग की उपज बेंची थी। इनमें विपणन संस्था गैरतगंज के 354, चांदपुर संस्था के 198 एवं मुड़ियाखेड़ा के 96 सहित अन्य किसान शामिल हैं। इन सभी किसानों को अपनी उपज का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। उपज का भुगतान न हो पाने से क्षेत्रीय किसान परेशान हैं। किसान संगठन कई बार प्रशासन से इन किसानों की उपज का भुगतान जल्द कराए जाने की मांग कर चुका है। बीते दिनों संगठन के इसके लिए एसडीएम को ज्ञापन भी दिया था परंतु कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अब किसान संगठन ने भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन का एलान कर दिया है। संगठन के प्रमुख मुकेश धाकड़ ने बताया कि बड़ी संख्या में किसान इस मांग को लेकर 21 अगस्त सोमवार से एसडीएम कार्यालय गैरतगंज के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने इसके लिए शासन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है।

कांग्रेस के 70 साल के मुकाबले शिवराज सिंह के 18 साल बेमिसाल: बृजभूषण

विधायक प्रवास कार्यशाला में शामिल हुए चरखारी के विधायक

सिरोंज, देशबन्धु। रविवार को विधानसभा स्तरीय विधायक प्रवास कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस कार्यशाला में चरखारी उत्तरप्रदेश से दो बार के विधायक बृजभूषण राजपूत ने मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होते हुए विधानसभा के प्रमुख वरिष्ठ नेताओं एवं टोली के कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करते हुए मौजूदा राजनैतिक हालातों पर चर्चा करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर विचार किया।

प्रदेश भाजपा संगठन की योजना से मध्यप्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में आयोजित होने जा रहे विधायक प्रवास कार्यक्रम के अंतर्गत सिरोंज पहुंचे वरिष्ठ विधायक बृजभूषण सिंह आगामी सात दिनों तक विधानसभा में ही रहकर संगठन की मंशानुरूप कार्यक्रमों को संपन्न करेंगे। संस्कार गार्डन में आयोजित प्रथम दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते उन्होंने कहा कि आप जैसे कार्यकर्ताओं की बदौलत ही आज देश एवं प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं। आप सब वह कार्यकर्ता है जिनकी अथक मेहनत से न जाने कितने विधायक और सांसद बनते हैं। उन्होंने कहा कि हम जब भाजपा सरकार के पहले सुनते थे कि मध्यप्रदेश में गुंडागर्दी, डकैत,सड़कों के नाम पर गड्ढे और बिजली के नाम पर अंधेरा पसरा होता था लेकिन आज के मध्यप्रदेश की तुलना हम पिछली सरकारों से करें तो आज मध्यप्रदेश भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। प देश की जनता ने कांग्रेस को 70 साल मौका दिया है। जबकी शिवराजसिंह को अभी मात्र 18 साल ही मिले है लेकिन समग्र विकास के आंक?ों में हम इनसे बहुत आगे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पुरजोर ताकत के साथ आगामी विधानसभा के चुनाव में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करते हुए प्रदेश में भाजपा की विकासशील सरकार बनाना है। कार्यशाला में विधानसभा विधायक प्रवास अधिकारी महेंद्र सिंह दांगी ने प्रवासी विधायक का बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओ से परिचय करते हुए सात दिवसीय कार्यक्रमों के बारे में बताया। इसके पूर्व अतिथियों ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन कर शुभारंभ किया। कार्यशाला का संचालन जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने एवं आभार नगरमंडल अध्यक्ष पारस तारण ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधानसभा संयोजक कैलाश शर्मा ने कार्यशाला को लेकर भूमिका वक्तव्य प्रस्तुत किया। विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव में कार्यशाला में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं एवं विधानसभा टोली से प्रवासी विधायक का परिचय कराया। इस कार्यशाला में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मीसा बंदी रंधीर सिंह बघेल,सुरेश अग्रवाल विधानसभा के पाँचो मंडलो के अध्यक्षगण सहित प्रमुख वरिष्ठ नेता एवं टोली कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्लॉक और नगर कांग्रेस के पदाधिकारियों की हुई बैठक

गंज बासौदा, देशबन्धु। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सागर दौरा के पूर्व तैयारियों को लेकर रविवार को पूर्व विधायक निशंक कुमार जैन के कार्यालय में ब्लाक एंव नगर कांग्रेस द्वारा कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पूर्व विधायक निशंक जैन प्रदेश महामंत्री विकास शर्मा ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा खिलान सिंह रघुवंशी जितेन्द्र दांगी देवेन्द्र लोधी ब्लाक संगठन मंत्री विनीत दांगी शेलेन्द्र रघुवंशी नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास ने सागर पहुचने के संबंध में अपनी अपनी राय व्यक्त की एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में सागर पहुचकर आम सभा को सफल बनाने की अपील की बैठक में प्रमुख रूप से वरिष्ट कांग्रेस नेता जवाहर सिंह रघुवंशी राजकुमार सेन पवन रिछारिया बृजेष लोधी जोहब हसन मणी भाई अहिरवार बीडी शर्मा संतोष पाल अमित मेहता बृजेन्द्र राजपूत रामबाबू रघुवंषी सीताराम रघुवंषी प्रशांत यादव ओमप्रकाष शर्मा अजय तिवारी सतीश लोधी अंकित मीणा संहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

योग गुरु का किया सम्मान

गंजबासौदा, देशबन्धु। जिले भर में योग के प्रचार प्रसार के लिए प्रशिक्षण देने पर जिला प्रशासन की ओर से नगर के योग प्रशिक्षक महेंद्र सिंह रघुवंशी सुनारी का जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने जिला मुख्यालय पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि गीता कैलाश रघुवंशी, कलेक्टर उमाशंकर भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य मौजूद थे।

कांग्रेस सेवादल ने विधायक निवास पर मनाई राजीव गांधी की जयंती

मुरैना, देशबन्धु। विधायक राकेश मावई के निवास कार्यालय पर शहर जिला अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल प्रदीप रजक के नेतृत्व में आधुनिक भारत के निर्माता पंचायती राज, इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकॉम क्रांति के जनक, युवाओं को मतदान का अधिकार देने वालें, अलगाववाद व आतंकवाद के विरोधी, वर्तमान भारत के शिल्पकार, दूरसंचार-कम्प्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से देश को एक सूत्र में पिरोने वाले आधुनिक भारत के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पूर्व प्रधानमंत्री के प्रतीक चिन्ह के आगे पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक राकेश मावई के बड़े भाई रविंद्र सिंह मावई ने राजीव गांधी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा बताये हुए मार्ग पर चलने का आव्हान किया तथा कहा कि भारत को आधुनिक भारत बनाने में अगर सबसे ज्यादा किसी का योगदान है तो वह पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का है। इस दौरान जिला कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र यादव शहर ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी मुरैना विक्रमराज मुद्गल, वरिष्ठ कांग्रेसी सुरेश छावई, मुरैना विधायक प्रतिनिधि वरिष्ठ कांग्रेसी अरविंद शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी रामजीलाल माहौर, जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस कमेटी मुरैना नरोत्तम माहौर, दिनेश जाटव अंबाह आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन बृजेश जाटव ने किया। इस अवसर पर विधायक मीडिया प्रभारी मुरैना एवं महासचिव मध्य प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग सुरेन्द्र सिंह बरेलिया, जिला अध्यक्ष की झोपड़ी प्रकोष्ठ कांग्रेस मुरैना नरेंद्र सोलंकी, सुनील गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल, भंवर सिंह माहौर जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल, विष्णु प्रदेश सचिव कांग्रेस सोशल मीडिया मध्य प्रदेश, एमएलए रीडर गंधर्व सिंह आदि कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीमावर्ती राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव की तय की रणनीति

मुरैना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन-2023 निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो, इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

यह बात संभागीय कमिश्नर दीपक सिंह ने ग्वालियर-चंबल संभाग अंतर्गत जिलों के सीमावर्ती राज्यों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की गूगल मीट से आयोजित समीक्षा बैठक में कही। कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष से संभागीय कमिश्नर दीपक सिंह एवं एडीजीपी डी श्रीनिवास वर्मा ने निर्वाचन के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में चंबल आईजी सुशांत सक्सेना, डीआईजी ग्वालियर, कोटा संभाग के आयुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक कोटा के साथ ही कलेकटर एवं पुलिस अधीक्षक कोटा, झालावाड, भरतपुर, सवाई माधौपुर, करौली, धौलपुर सहित ग्वालियर चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक बैठक में शामिल हुए। मुरैना एनआईसी कक्ष से जुडे कलेक्टर अंकित अस्थाना, पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संभागीय कमिश्नर दीपक सिंह ने कहा कि निर्वाचन के दौरान सीमा की बॉर्डर पर संयुक्त चैक प्वॉइंट भी बनाए जाएँ। इन चैक प्वॉइंटों पर सीसीटीव्ही कैमरे भी स्थापित हों। एडीजीपी श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि सीमा से लगे हुए अन्य राज्यों में भी निर्वाचन के दृष्टिगत स्थायी वारंटियों की सूची भी एक दूसरे को शेयर की जाए। अवैध हथियारों, अवैध शराब को पकडने के लिये भी सभी जिलों में विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी जिलों में निर्वाचन के दृष्टिगत संयुक्त उडनदस्ते भी गठित किए जाएं।

चंबल आईजी सुशांत सक्सेना ने कहा कि चंबल के जिलों की सीमा भी राजस्थान और उत्तरप्रदेश से लगती है। बैठक में कोटा के संभागीय आयुक्त एवं आईजी ने भी राजस्थान में निर्वाचन के दृष्टिगत की जा रही तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान और मध्यप्रदेश के जिला कलेक्टरों के आपसी समन्वय से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिये जो भी कार्रवाई अपेक्षित है, उसे समय रहते पूरा किया जायेगा। बैठक में ग्वालियर चंबल एवं सीमावर्ती राज्यों के जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों ने भी अपने-अपने जिले के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

घरेलू विवाद में युवक ने पत्नी, साली और साले को मारी गोली, तीनों की मौत

दिनदहाड़े बस स्टैंड पर हुई इस फायरिंग से लोग दहशत में आ गए

मुरैना, देशबन्धु। जिले के बागचीनी थाना क्षेत्र में रविवार की दोपहर घरेलू विवाद के चलते ससुराल से भाई एवं बहन के साथ मायके जा रही पत्नी को पति व उसके एक साथी ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। दिनदहाड़े बस स्टैंड पर हुई इस फायरिंग से दहशत फैल गई। गोली मारने की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए।

जानकारी के अनुसार बागचीनी थाना क्षेत्र निवासी त्रिलोक सिंह परिहार का अपनी पत्नी राखी से दो-तीन दिनों से घरेलू विवाद चल रहा था। रविवार को राखी का भाई सुघराज अपनी बहन जूली के साथ त्रिलोक के घर आया हुआ था। यहां पर काफी विवाद हुआ और राखी तथा उसके भाई, बड़ी बहन ने त्रिलोक की मां की पिटाई कर दी और सामान लेकर अपने गांव के लिए रवाना हो गए।

राखी अपने भाई एवं बहन के साथ बस स्टैंड में बस पर सवार होने वाली थी, तभी पीछे से त्रिलोक परिहार अपने एक अन्य साथी के साथ कट्टा लिए आया और ताबड़तोड़ पांच फायर कर दिए। जिससे तीनों को गोली लगी। राखी एवं उसके भाई सुघराज की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि जूली को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा हत्या का मामला दर्ज कर राखी एवं उसके भाई का पीएम जौरा में और जूली का पीएम मुरैना में कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं।

छौंदा नदी से अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

मुरैना। सिविल लाइन थाना पुलिस ने छौंदा नदी से रविवार की सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का सब बरामद किया है, जिसकी पहचान करने के लिए आसपास के गांव में सूचना भेजी गई है। थाना प्रभारी वीरेश सिंह कुशवाह ने बताया कि एक अज्ञात शव पुरुष उम्र करीब 45 साल छौंदा नदी में मिला, जिस पर से थाना सिविल लाइन मुरैना में मर्ग कायम करते हुए मामला जांच में लिया है। मृतक का रंग गोरा, इकहरा वदन, कद करीब 5 फीट 3 इंच, दाढ़ी मूंछ रखे है, नारंगी रंग की शर्ट व काले रंग का पेंट पहने है। अगर किसी को उक्त व्यक्ति के संबंध में जानकारी मिलती है तो थाना सिविल लाइन मुरैना में संपर्क करें।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

क्षमायाचना के साथ पर्व का समापन

बैतूल,देशबन्धु। खरतरगच्छ जैन श्रावक मूर्तिपूजक संघ का महान पर्व रविवार जैन दादावाड़ी में श्रावक श्राविकाओं के प्रतिक्रमण और क्षमायाचना के साथ संपन्न हुआ। 8 दिनों का पारंपारिक पर्व 13 अगस्त को प्रारंभ हुआ। इस दिन से आज तक कल्पसूत्र का वाचन भगवान जन्म का वाचन किया गया। संभवनाथ मंदिर व दादावाड़ी में रोजना आंगी की जाती है। रोज दोपहर को दादावाड़ी में पूजा और सायं भजन का कार्यक्रम होता था। जिसमें धीरज बोथरा, विवेक बोथरा अपने मधुर गीतों से चार चांद लगा देते थे। रोजाना बोलिया होने से लोगों का उत्साहवर्धन होता था। भगवान के पालने को घर में ले जाने का लाभ देवेन्द्र गोठी ने लिया और 4वें स्वपन लक्ष्मी जी की बोली का लाभ निलय डागा ने लिया पर्यूषण पर्व में कल्पसूत्र का वाचन करने हेतु जबलपुर से कमलेश नाहटा पधारे। जिनकी मधुरवाणी से कल्पसूत्र का श्रवण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विमल बैद, राजकुमार बोथरा, राजेश मेहता, प्रशांत मरोठी, धीरज बोथरा, दीपाली डागा, हेमा गोठी रोशनी मरोठी, मीना बोथरा ने योगदान दिया।

दुनावा क्षेत्र के पोलिंग बूथों का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारी

मुलताई, देशबन्धु। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन अपनी तैयारियों में जुट गया है। टीआई और तहसीलदार की टीम मुलताई विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर रही है। मुलताई के सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण हो चुका है। अब ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। तहसीलदार अनामिका सिंग और टीआई प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि दुनावा क्षेत्र के कुछ मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी की व्यवस्था को लेकर, संबंधित विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखे गए हैं। मुलताई टीआई प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि दुनावा क्षेत्र के संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था को लेकर तहसीलदार के साथ निरीक्षण किया गया है ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रत्येक मतदान केंद्र का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मतदान के दौरान मतदाताओं सहित मतदान दल को किसी प्रकार की कोई समस्या का सामना ना करना पड़े। हर मतदान केंद्र में बिजली, पानी की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं, मतदान केंद्र तक आने-जाने के लिए पहुंच मार्ग है या नहीं, इसको लेकर वे अपनी रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारी को सौंपेंगे। अधिकारियो ने बताया कि मुलताई विधानसभा क्षेत्र में 296 कुल मतदान केंद्र हैं। जिनका निरीक्षण अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। इधर वर्तमान में 30 डेमो मशीनें आई हैं, जिनके माध्यम से पूरे विधानसभा क्षेत्र में लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा। अधिकारियों ने बताया कि कुल मतदान केंद्रों की संख्या के अनुसार 10त्न मशीनें डेमो के लिए दी जाती है। विधानसभा क्षेत्र में लगातार मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में 228770 मतदाता है।

एक ही रात में 2 सूने मकानों में चोरी, तीसरे घर में भी सेंध लगाने का प्रयास

भगतसिंह वार्ड में हुई वारदात, आवाज सुनकर जागी वृद्धा तो भागे चोर

मुलताई, देशबन्धु। नगर के भगतसिंह वार्ड में शनिवार रात करीब 2 बजे अज्ञात चोरों द्वारा दो घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। जहां से नगद रुपए एवं सोने चांदी के जेवर चुरा ले गए। जबकि एक अन्य घर में चोरी का प्रयास करते समय सामने घर में रहने वाली एक बुजुर्ग को आवाज आने पर, उसने शोर मचाया। जिसके बाद मोहल्ले के लोग भी जाग गए और सड़क पर आ गए। लोगों को आते देख चोर तीसरे घर में चोरी करने का प्रयास कर ही रहे थे कि तभी भाग खड़े हुए।

नगर के भगत सिंह वार्ड में संजू वराठे के घर किराए से रहने वाले ईएमटी दिलीप पुत्र उदयराम मालवी जो की उज्जैन जाने के लिए शनिवार शाम को मुलताई से बैतूल पहुंचे थे। रात में अचानक संजू के घर के सामने देशमुख के घर से कुछ आवाज आने पर उनकी मां उठी, जिसके बाद उन्होंने चोर चोर की आवाज लगाई, जिससे मोहल्ले के लोग जाग कर इकट्ठा हो गए। लोगों को जागता देख चोर मौके से फरार हो गए। लोगों ने जब देखा तो संजू वराठे के घर किराए से रहने वाले ईएमटी दिलीप मालवी के घर का ताला टूटा दिखाई दिया, जिसके बाद उन्हें रात में ही फोन पर सूचना दी, जिसके बाद वे सुबह वापस मुलताई लौट आए। इस संबध में दिलीप मालवी ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत देते हुए बताया की घर में रखे करीब 10 से 12 हजार रुपए सहित कुछ अन्य सामान अज्ञात चोरों द्वारा चुरा लिया गया।

गायत्री नगर के साथ चोरों ने भगत सिंह वार्ड में ही करीब 500 मीटर दूर एक दूसरे सूने मकान पर ताला तोड़कर घर में रखे सोने चांदी के जेवर सहित नगदी पर हाथ साफ कर लिया। प्राप्त जानकारी अनुसार संतोष पुत्र रुक्खन बिसेन जो की शास्त्री वार्ड में अपने पुराने मकान में दो दिन से रह रहे थे। भगत सिंह वार्ड में उन्होंने नया मकान बनाया हुआ है जहां रविवार सुबह पहुंचे तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है, घर में रखा सामान अस्त-व्यस्त बिखरा हुआ था। आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर सहित 15000 रुपए भी नहीं दिखाई दिए। जिससे उन्होंने चोरी की घटना होने की सूचना डायल हंड्रेड को कॉल करके दी।

छात्र-छात्राओं ने तैयार किए विज्ञान के मॉडल, स्कूल में लगी प्रदर्शनी

हरदा, देशबन्धु। सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है भविष्य में सौर ऊर्जा को विभिन्न रूपों में प्रयोग करके हम अपने जीवन को सुगम और सरल बना सकते हैं उक्त बातें डॉक्टर सुनील बौरासी ने मॉडल पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण करने के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कही। विद्यालय के कक्षा छटवीं से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के साइंस मॉडल तैयार किये और उनकी प्रदर्शनी विद्यालय प्रांगण में संचालित हुई। निर्णायक के रूप में शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता आनंद अग्रवाल एवं शासकीय महाविद्यालय टिमरनी के प्राध्यापक डॉक्टर सुनील बौरासी ने छात्रों के द्वारा बनाए गए मॉडल को देखा एवं छात्रों से मॉडल के बारे में विस्तृत चर्चा की। छात्र-छात्राओं ने अपने मॉडल में चंद्रयान-3, हाइड्रोपोनिक फार्मिंग, सेव इलेक्ट्रिसिटी, इलेक्ट्रॉनिक कॉन्फ़िगरेशन, सेव वाटर ,टेबल लैंप ,पावर प्लांट, विंडमिल इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन बाय बेस्ट मेटेरियल, वॉटर टैंक अलार्म, सोलर सिस्टम, स्ट्रीट लाइट , टाइप ऑफ़ इरिगेशन इन फील्ड, ह्यूमन रेस्पिरेशन, एक्टिव वोल्कानो ,डैम प्रोड्यूस इलेक्ट्रिसिटी, ट्रैफिक सिग्नल ट्रांसपोर्टेशन इन प्लांट्स, सोलर पैनल, ह्यूमन ब्रेन सहित विभिन्न प्रकार के लगभग 27 मॉडल तैयार किए गए।

कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर शुरू की कसावट, सौंपे दायित्व

बैतूल, देशबन्धु। कांग्रेस नेता समीर खान को मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से चर्चा एवं संपर्क स्थापित कर वर्तमान जमीनी स्तर पर स्थिति की जानकारी के लिए समन्वय के कार्य की जिम्मेदारी दी गई है।

पीसीसी उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने नियुक्ति पत्र माध्यम से कहा है कि आगमी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण है, जिले में कांग्रेसियासें से जानकारी ली जाए और वस्तुस्थिति की जानकारी दी जाए।

प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सैय्यद साजिद अली को जिलों का दौर करने के लिए कहा गया है। उनके साथ ही दौरे में दीपचंद यादव, एवं समीन खान को समन्वय के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षो को निर्देशित किया गया है कि वे साजिद अली द्वारा उनके जिलों में दौर के समय सभी कांग्रेस सगंठन एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति महत्तपूर्ण है। इन सभी की जानकारी कांग्रेस कार्यालय को दी जाने की भी बात कही गई है।

सेवादल के भैंसदेही ब्लॉक अध्यक्ष बने शाकिर

बैतूल, देशबन्धु। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष लालजी देसाई एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष योगेश यादव की सहमति व भैंसदेही विधायक धरमूसिंह सिरसाम की अनुशंसा पर सेवादल जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने भैंसदेही ब्लॉक के युवा कांग्रेस नेता शाकिर खान को भैंसदेही ब्लॉक का सेवादल अध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों द्वारा शाकिर खान के नाम पर मुहर लगते ही जिलाध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने शाकिर खान के मनोनयन की घोषणा कर दी। शाकिर खान को कांग्रेस एवं सेवा दल कार्यकर्ताओं द्वारा बधाई दी है। नवनियुक्त सेवा दल ब्लॉक अध्यक्ष शाकिर खान ने बताया कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे।

कांग्रेस नेता की टिप्पणी का हिन्दू संगठनों ने किया विरोध

नगर बंद का दोपहर तक रहा मिला जुला असर

मुलताई,देशबन्धु। युवक कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष निलेश साबले द्वारा आरएसएस और बजरंग दल पर की गई टिप्पणी के विरोध में बजरंग दल, विहिप, आरएसएस सहित हिंदू संगठनों ने रविवार सुबह से दोपहर तक के लिए मुलताई बंद का आव्हान किया गया था, जिसका मिलजुला असर दिखाई दिया। कृषि उपज मंडी में सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए सागठनों के कार्यकर्ता रैली के रूप में नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुलिस थाने पहुंचकर एसडीओपी और टीआई को ज्ञापन सौपकर कार्रवाई की मांग की। मध्य प्रदेश निर्माण रोजगार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष हेमंत विजय राव देशमुख ने पूरे मामले में मुलताई विधायक सुखदेव पांसे की गिरफ्तारी की भी मांग की।

उनका कहना है कि जिस समय यह भाषण दिया गया, उस समय विधायक पांसे भी मंच पर मौजूद थे। ऐसे में उन पर भी मामला दर्ज होना चाहिए। हिंदू संगठन ने साफ किया है कि यदि 24 घंटे के अंदर इस मामले में एफआईआर और गिरफ्तारी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने के दौरान बजरंग दल से प्रांत गौरक्षा प्रमुख कृष्णकांत गावंडे,विभाग सेवा प्रमुख जिला संयोजक लंलन यादव,जिला सहसंयोजक ऋषि साहू, समाजसेवी लोकेश गीदकर, कृष्ण पवांर, प्रखंड सहसंयोजक भुपेश साहू,रोशन साहू, प्रखंड सासाहिक मिलन प्रमुख सागर बजरंगी,प्रखंड सुरक्षा प्रमुख राकी कादम्बे ,नगर अध्यक्ष पुष्पेन्द्र अरोरा,पिण्टू प्रजापति,राजू साहू,जतिन डोहरे सहित अन्य बजरंग दल कार्यकर्ताओ के साथ रोजगार निर्माण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष हेमंतराव देशमुख,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमंत शर्मा,पार्षद रितेश विश्वकर्मा, महेंद्र जैन,प्रहलाद साहू,डॉक्टर राजेंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और नागरिक उपस्थित थे।

यह था मामला: युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष निलेश साबले का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बजरंग दल के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो बीते दो दिन से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। हिंदू संगठनों ने सोशल मीडिया पर इस बयान के खिलाफ जमकर रोष जताया। हालांकि हिंदू संगठनों के आक्रोश को देखते हुए निलेश साबले ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपने बयान पर माफी भी मांग ली थी।

कांग्रेस नेता निलेश साबले के खिलाफ केस दर्ज: हिंदू संगठनों के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता निलेश साबले के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। विश्व हिंदू परिषद के सेवा प्रमुख तिलक वार्ड निवासी उदय जोशी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया बीते 17 अगस्त को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुखदेव पांसे की उपस्थिति में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष निलेश साबले द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आतंकवादी संगठन और बजरंग दल को गौ हत्यारा दल कह कर हिन्दू समाज की भावना को आहत किया है। पुलिस ने उदय जोशी की रिपोर्ट पर निलेश साबले के खिलाफ धारा 505 (2) भादवि के तहत केस दर्ज किया है।

महावीर देवस्थान को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिला दल

बैतूल, देशबन्धु। श्री महावीर देवस्थान मां तुलजा भवानी मंदिर हिवरा के विषयों को लेकर जिले से एक दल रविवार को जगतगुरु शंकरचार्यश्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मिलने उनके परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर (गोटेगांव) पहुंचा। दल ने श्री महावीर महावीर देवस्थान हिवरा से सम्बंधित समस्त दस्तावेज महाराजश्री को सौंपकर मां भवानीशंकर मंदिर के विषय में विस्तृत चर्चा की। दल में शामिल गोलू उघड़े ने उन्हें मंदिर जीर्णोद्धार के दौरान मिले दुर्लभ श्रीयंत्र दिया, जिसे देखकर शंकराचार्य ने कहा कि यह लगभग 500 वर्ष पुराना है वहीं अमूल्य अष्टधातु से निर्मित है। उन्होंने दल के सदस्यों को श्रीयंत्र पर दिख रहें मां के श्री चरणों के साथ ही विभिन्न प्रतीक चिन्हों के बारे में भी विस्तार से बताया। इस दौरान दल में शामिल नवल वर्मा ने शंकराचार्य को दस्तावेज सौंपते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज काल से लेकर वर्तमान समय तक शासकीय दस्तावेजों में मंदिर का उल्लेख मिलने की जानकारी दी। वर्मा ने शंकराचार्य को यह भी बताया कि भारत सरकार 1919-20 के गजट नोटिफिकेशन के अनुसार स्वयंभू न्यास की श्रेणी में है। मंदिर से संबंधित समस्त दस्तावेज का अवलोकन करके महाराजश्री ने दल से कहा कि इस विषय मे यथोचित कार्यवाही करेंगे। उन्होंने लगभग 25 मिनट तक दल में शामिल सदस्यों की बाते सुनीं और कहा कि समय आने पर उचित निर्णय लेंगे।

महिला सशक्तवाहिनी की कक्षा में पढ़ाई से हुआ दिव्या का चयन

हरदा, देशबन्धु। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिले में महिला सशक्त वाहिनी कक्षाएं संचालित की जा रही है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत द्वितीय बैच से हरदा निवासी दिव्या चौरसिया का प्राथमिक शिक्षक के पद पर चयन हुआ है। शिक्षक के पद पर चयनित होकर बेटी दिव्या चौरसिया बहुत खुश है। दिव्या बताती है कि उसका सपना बड़ा अधिकारी बनने का है, इसलिए अभी भी वह पढ़ाई करती रहती है। उसके पिताजी मजदूरी करते है, माता जी गृहणी है। दिव्या गरीब परिवार से होने के कारण महंगी कोचिंग में एडमिशन नही ले सकती थी। इस कारण महिला सशक्त वाहिनी कक्षा से जुड़ी सशक्त वाहिनी कक्षा से नि:शुल्क पुस्तके एवं स्टेशनरी प्राप्त हुई है। प्राप्त पुस्तको से दिव्या ने लग्न व मेहनत से प्रतिदिन 05-07 घंटे अध्ययन कर लिखित परीक्षा की तैयारी की।

दिव्या बताती है कि सशक्त वाहिनी कक्षा से दिव्या को नि:शुल्क लिखित परीक्षा की तैयारी व फिजिकल परीक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, इस सफलता के पीछे बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अंतर्गत संचालित कक्षा महिला सशक्त वाहिनी का विशेष योगदान है। दिव्या कहती है कि वह अब अपने पैरों पर खड़ी हो गई है तथा अब वह अपने घर की जिम्मेदारी भी वहन कर सकेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत संचालित इन कक्षाओं में कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण बालिकाओं को शासकीय सेवा में चयन हेतु लिखित परीक्षा के लिये सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य अध्ययन एवं अन्य विषय की तैयारी कराई जाती है। साथ ही फिजिकल परीक्षा के लिये प्रशिक्षण हेतु गोला फेंक, दौड़ एवं लम्बी कूद आदि की तैयारी भी कराई जाती है।

नर्मदा महापुराण ज्ञान यज्ञ को लेकर अंबा माई मंदिर से निकाली कलश यात्रा

सारनी, देशबन्धु। छोटा महादेव भोपाली में 20 से लेकर 28 अगस्त तक मां नर्मदा महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन शुरू कर दिया गया है। रविवार को दोपहर में बारिश जैसे थमी वैसे ही अंबा माई मंदिर से लेकर आसपास के स्थान पर कलश यात्रा का भ्रमण करके अम्मा में के समीप जहां पर कथा का आयोजन होना है,उस स्थान पर पहुंची। आयोजक समिति की रूपेश कुमार वर्मा ने बताया कि 9 दिनों तक चलने वाले मां नर्मदा महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन 20 अगस्त रविवार से शुरू किया जा रहा है। इसमें उज्जैन के पंडित गुरु साहब शर्मा के मुखारबिंद से कथा का वाचन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले 52 वर्षों से नियमित लगातार प्रतिवर्ष श्रावण मास में मां नर्मदा महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन होता चला आ रहा है उन्होंने बताया कि सुबह 7:30 बजे से लेकर 11 बजे तक पार्थिव शिवलिंग का निर्माण करके उसका पूजा अर्चना कर उसका विसर्जन करने का कार्य किया जाएगा,उसके बाद दोपहर एक बजे से लेकर शाम पाच बजे तक अंबा माई मंदिर के समीप में मां नर्मदा महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा जिसमें पंडित गुरु साहब शर्मा के मुखारविंद से कथा का वाचन होगा उन्होंने बताया कि छोटा महादेव भोपाली और आसपास के लगभग दो दर्जन से अधिक गांव के लोग इस कथा स्थल पर कथा का श्रवण करने आएंगे उन्होंने संपूर्ण शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से 9 दिनों तक आयोजित होने वाले मां नर्मदा महापुराण ज्ञान यज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

नपा अमला कर रहा सड़कों पर झाड़ियों और नालियों की सफाई

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तैयारी में जुटा प्रशासन

सारनी,देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का विद्युत नगरी सारनी में आने के लिए अब 3 दिन का समय शेष रह गया है। इतने समय को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां जोरो पर शुरू कर दी है। रविवार को हवाई पट्टी बगडोना से लेकर सारनी ताप विद्युत गृहों के गेट क्रमांक सात के दोनों तरफ के खरपतवार और झाड़ियों की, नाली की सफाई के कार्य में नगर पालिका प्रशासन जुटा हुआ था। नगरपालिका के माध्यम से हर छोटे बड़े पेड़ और खरपतवार को हटाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा। इसके अलावा वर्षों से जो नालिया साफ नहीं हुई थी उस नालियों की सफाई भी नगर पालिका प्रशासन के माध्यम से मुख्य मार्ग के दोनों तरफ की जा रही है।

काली माई से शोभापुर तक निकलेगी जनदर्शन यात्रा, एसडीएम ने ली बैठक: नगर पालिका परिषद सारनी के सभाकक्ष में रविवार को शाहपुर एसडीएम डॉ.अभिजीत सिह,नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे,उपाध्यक्ष जगदीश पवार एसडीओपी रोशन कुमार जैन,सीएमओ सी.के.मेश्राम ने धार्मिक, सामाजिक व्यापारिक स्वयं सेवी संस्थाओं समेत अन्य संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक ली है। उन्होंने जन दर्शन कार्यक्रन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने एवं इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। बैठक की शुरुआत रविवार को अपरान्ह 4 बजे शुरू हुई। एसडीएम डॉ.अभिजीत सिह ने उपस्थित लोगों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के हैलीपेड से लेकर जनदर्शन यात्रा एवं कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं की जानकारी दी,उन्होंने बताया कि पाथाखेड़ा के विजय क्रीडांगण में मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर उतरेगा। यहां से वे कालीमाई पहुंचेंगे जहां से जनदर्शन शुरू होगा।शोभापुर कॉलोनी से होते हुए जनदर्शन शोभापुर स्टाप पर पहुंचेगा। यहां से हवाई पट्टी पर मुख्य मंचीय कार्यक्रम होगा। बैठक के दौरान उन्होंने सभी संगठनों से अपनी भागीदारी देने का आग्रह किया। बैठक में उपस्थित संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। नपाध्यक्ष किशोर बरदे ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 5600 करोडा की 660 मेगावाट क्षमता की इकाई की बड़ी सौगात दी है। इसलिए उनका स्वागत भी भव्य तरीके से होना चाहिए। इसके लिए 100 से अधिक स्थानों पर मंच टेंट लगाए जाएंगे। बैठक में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि रविंद्र पांसे, विधायक प्रतिनिधि रंजीत सिंह,पार्षद योगेश बर्डे,प्रवीण सोनी,गणेश मस्को,भीम बहादुर थापा,संगीता मनीष धोटे,भाजपा नेता कमलेश सिंह, सुधा चंद्रा,नागेंद्र निगम, सामाजिक संगठन कुनबी समाज,पवार समाज,गायत्री परिवार,श्री मठारदेव बाबा मेला समिति,उत्कल समाज संगठन,आदिवासी समाज,मेहरा डेहरिया समाज,बौद्ध विहार समिति,ब्राम्हण समाज, उत्कल घासी समाज उत्थान समिति,मांझी समाज,मातंग समाज, ग्राम भारती महिला मंडल, शासकीयकॉलेज सारनी, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी,कर्मचारी बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सार समाचार

जिले में औसत 830.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले में 1 जून 2023 से आज 20 अगस्त 2023 को प्रातः 8.30 बजे तक औसत 830.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में औसत 1276.5 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। दिनांक 19 अगस्त से 20 अगस्त को प्रातः 8.30 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 21.9 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 17.0, इटारसी में 10.6, माखननगर में 13.0, सोहागपुर में 58.8, पिपरिया में 55.0, बनखेड़ी में 70.1, पचमढ़ी में 66.2, एवं तहसील डोलरिया में 11.0 मिलीमीटर वर्षा हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 1 जून से 20 अगस्त 2023 को प्रातः 8.30 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 903.1 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 559.0, इटारसी में 595.2, माखननगर में 729.0, सोहागपुर में 850.0, पिपरिया में 1165.8, बनखेड़ी में 900.0, पचमढ़ी में 1229.0 एवं डोलरिया तहसील में 543.9 मिलीमीटर वर्षा हुई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में तहसील नर्मदापुरम में 1096.1 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 1333.0, इटारसी में 1354.6, माखननगर में 1101.0, सोहागपुर में 1281.2, पिपरिया में 1352.2, बनखेड़ी में 954.4, पचमढ़ी में 1714.1 एवं तहसील डोलरिया में 1302.0 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिलीमीटर है। सेठानी घाट पर नर्मदा जी का अलार्म स्तवर 964.00 फीट है एवं खतरे का जलस्तर 967.00 फीट है। वर्तमान में सेठानी घाट पर नर्मदा जी का जलस्तर 948.50 फीट है। इसी प्रकार तवा जलाशय का वर्तमान जलस्तर 1163.40 फीट, बरगी जलाशय का 421.90 मीटर एवं बारना जलाशय का जलस्तर 346.96 मीटर है।

32 घंटे से भी अधिक समय से खुले हैं तवा बांध के गेट

इटारसी, देशबन्धु। तवा बांध के पांच गेट चार फीट तक खुले हैं और उनसे 34,175 क्यूसेक पानी तवा नदी में डिस्चार्ज किया जा रहा है। इसके अलावा पावर हाउस को भी 3800 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। बांध से पानी नर्मदा में पहुंचने से नर्मदा के जलस्तर में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। वर्तमान में तवा बांध का जलस्तर रात 8 बजे 1163.30 फिट पर दर्ज किया गया है। 31 अगस्त तक जलस्तर 1163 फीट तक रखना है। नर्मदा के सेठानी घाट पर जलस्तर 949.60 के आसपास है। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के राजगढ़, नर्मदापुरम, खरगोन, उज्जैन, रतलाम, देवास, मंदसौर व छिंदवाड़ा जिलों में भारी वर्षा एवं गरज-चमक का आरेंज अलर्ट जारी किया है।

हाईटेक कैमरों से होगी सिंधी कालोनी की सुरक्षा

अपराधियों में बढ़ेगा खौफ धर्म और विज्ञान से हटकर सच दिखाता है सीसीटीव्ही कैमरा : शर्मा

इटारसी, देशबन्धु। धर्म और विज्ञान की परिभाषा अलग अलग है। लोग धर्म की आड़ में गलत काम करते हैं तो विज्ञान के भी दो पहलू है, लेकिन सीसीटीव्ही कैमरा एक ही धारी तलवार है, जो सिर्फ सच ही दिखाता है। सीसीटीव्ही में दूसरी धारी का विकल्प ही नहीं है। यह बात सिंधी कालोनी में आयोजित सीसीटीव्ही कैमरों के लोकार्पण समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहे।

पूज्य पंचायत सिंधी समाज ने सिंधी कालोनी में सुरक्षा के मद्देनजर 32 अत्याधुनिक सीसीटीव्ही कैमरे लगाए हैं। इनकी गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि कैमरे की जद में आने वाले हर शख्स को साफ देखा जा सकता है। कैमरों को सिंधी कालोनी के चारों तरफ के साथ ही कालोनी की आंतरिक सड़कों पर भी लगाया है। इनमें फुटेज के साथ वाइस रिकार्ड भी होगी, यदि कोई संदिग्ध कैमरे के आसपास कोई भी अपराध से संबंधित बातचीत करता है तो उसकी आवाज भी रिकार्ड हो जाएगी। लोकार्पण समारोह भगवान श्रीझूलेलाल मंदिर संत कंवरराम सिंधु भवन सिंधी कालोनी के गली नंबर चार में आयोजित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मानक अग्रवाल, पूर्व मंत्री विजय दुबे काकूभाई, नपा अध्यक्ष पंकज चौरे, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जयसवाल, एसडीओपी महेन्द्र सिंह चौहान, सीएमओ रितु मेहरा, पूज्य पंचायत सिंधी समाज के अध्यक्ष धर्मदास मिहानी एवं बुदनी के कांग्रेस पदाधिकारी विक्रम शर्मा मौजूद रहे। अतिथियों ने कैमरे के डिवाइस का लोकार्पण किया। वहीं मुख्य अतिथि डॉ. शर्मा ने भगवान श्री झूलेलाल मंदिर में पहुंचकर आशीर्वाद लिया।

संबोधित करते हुए विधायक डॉ. शर्मा ने कहा कि समय के साथ अपराधी नए-नए तरीके से अपराध कर रहे हं, जिन्हें नई तकनीकि से ही रोका जा सकता है। ये सीसीटीव्ही कैमरे अपराधों की रोकथाम के लिए कारगर होंगे। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष मानक अग्रवाल ने कहा कि पूज्य पंचायत सिंधी समाज काफी जागरूक है। सीसीटीव्ही कैमरों के जरिए आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सकेगी। शहर में भी कैमरे लगवाने के लिए प्रशासन का इंतजार नहीं करना चाहिए, इसके लिए जनभागीदारी से पूरे शहर में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जा सकते हैं। पूर्व मंत्री काकूभाई ने कहा कि सिंधी समाज स्वच्छता के क्षेत्र में अद्भुत कार्य किया है। यह समाज प्रगतिशील समाज है। सीसीटीव्ही कैमरे कालोनी लगवाने से अन्य समाज के लोगों लिए भी प्रेरणा का काम करेंगे।

नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि सिंधी कालोनी क्षेत्र में सीसीटीव्ही कैमरे लगने से सुरक्षा बढ़ेगी। शहर में भी नपा द्वारा अस्सी कैमरे लगवाने कार्ययोजना बनाई है। प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद जल्द ही सीसीटीव्ही कैमरों से निगरानी की जा सकेगी। एसडीओपी महेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि पहले के समय में अपराध होने पर मुखबिरों से जानकारी हासिल की जाती थी। लेकिन नई तकनीकि विकसित होने पर आपराधिक घटनाएं होने पर पहले सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज खंगाले जाते हैं और इनके माध्यम अपराधों को नियंत्रण करने में काफी मदद मिलती है। सीएमओ रितु मेहरा और नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जयसवाल ने भी सिंधी समाज द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र के साथ कालोनी में लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों को अच्छी पहल बताया है। समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिहानी ने सिंधी कालोनी में लगाए सीसीटीव्ही कैमरों की गुणवत्ता एवं संचालन की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

इनका हुआ सम्मान

बता दें कि पूज्य पंचायत सिंधी समाज द्वारा नई तकनीकि से निर्मित हाईटेक कैमरे कालोनी में लगाए है। इसके लिए समाज द्वारा जनभागीदारी से सहयोग किया लेकिन पूरे कैमरे किस तरह और किस लोकेशन में लगाना है। इसके लिए अभिषेक मिहानी की महत्वपूर्ण भूमिका रही, उन्होंने 12 दिनों के अथक प्रयासों से सभी कैमरे बेहतर लोकेशन पर लगवाए, उक्त कैमरे एसबीआई चौराहा, सूरजगंज चौराहा एवं सड़क, विश्वनाथ टाकीज पहुंचमार्ग के अलावा सेंट्रल बैंक तिराहा सहित आंतरिक सड़कों को कवर कर रहे है। उनके बेहतर प्रयासों को देखते हुए समाज द्वारा उनका सम्मान किया गया। इनके अलावा समाजसेवी अनिल मिहानी का भी सम्मान किया गया क्योंकि उन्होंने ही उच्च गुणवत्ता के नेटवर्क वीडियो रिकार्डर कैमरे कम से कम कीमत पर बुलवाए है।

लोकार्पण समारोह के मौके पर सेवकराम चेलानी, बलराम मिहानी, मोहनलाल चेलानी, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष संतोष गुरयानी, विजय मनवानी, गोपाल सिद्धवानी, अशोक लालवानी, संजय मिहानी, सोनू परियानी, ओम सोनी सहित पूज्य पंचायत सिंधी समाज, सिंधु विकास समिति, झूलण सेवा समिति के अन्य पदाधिकारी एवं समाज के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राहुल चेलानी, कैलाश नवलानी और आभार प्रदर्शन पूज्य पंचायत सिंधी समाज के अध्यक्ष धर्मदास मिहानी ने किया।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी, जिले की सभी सीटें जीतेंगे : मानक

इटारसी, देशबन्धु। कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है, जिसका फायदा संगठन को मिलेगा और आने वाले चुनाव में कांग्रेस जिस भी जमीनी कार्यकर्ता को टिकट देगी वह निश्चित ही विजयी होगा। उक्त बातें आज यहां ईश्वर रेस्टॉरेंट में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मानक अग्रवाल ने कही।

भाजपा द्वारा पहले प्रत्याशी घोषित करने के सवाल पर माणक अग्रवाल ने कहा कि हमारे यहां प्रत्याशी चयन की एक प्रक्रिया है, इसके बाद ही प्रत्याशी घोषित किये जाते हैं। नगर पालिका की एक इंजीनियर के द्वारा रिश्वत मांगने और विधायक द्वारा जांच की मांग के सवाल पर मानक अग्रवाल ने कहा कि निश्चित ही विधायक धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने जांच की मांग की है। अग्रवाल ने कहा कि नगर पालिका में जो भ्रष्टाचार हो रहा है स्थानीय कार्यकर्ता पूरी तरह निगरानी रखे हुए हैं।

सब्जी मंडी में हुए दुकानों के घोटाले को लेकर मानक अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि हमारी सरकार आने के बाद अपराधी जेल के भीतर होंगे। जब भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री निरंतर नई-नई घोषणा कर रहे हैं, तब कांग्रेस को कैसे फायदा मिलेगा? इस सवाल पर अग्रवाल ने कहा कि अधिकारी इस समय मुख्यमंत्री की सुन नहीं रहे हैं। प्रदेश कर्ज में डूबा हुआ है। जनता मन बना चुकी है, सरकार कांग्रेस की ही बनेगी। पत्रकार वार्ता में मंच पर मानक अग्रवाल के अलावा ओम सेन, बाबू चौधरी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवाकांत पांडे गुड्डन मौजूद थे।

पत्रकार वार्ता में कन्हैया गोस्वामी, विनय मालवीय, राहुल अग्रवाल, शैलेश जैन, जम्मू सिंह उप्पल, दिनेश थापक, रामबाबू, बीएल श्रीवास्तव, शिव भारद्वाज, भूपेंद्र विश्वकर्मा, कृष्णा राजपूत, कुशल नवथले, गिरीश पटेल, संजय शिल्पी, राजकुमार बाबरिया, घनश्याम तिवारी आदि उपस्थित रहे। मानक अग्रवाल का राकेश गौर ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शिवाकांत पांडे गुड्डन भाई पूरे समय मानक अग्रवाल के इटारसी दौरे में साथ रहे और सभी जगह व्यवस्थाओं के प्रभारी रहे।

महादेव ज्योर्तिलिंग के रूप में पूजे जाते हैं

इटारसी, देशबन्धु। पाप का अंत होता है और पुण्य अनंत है। राक्षसी शक्तिया कुछ समय तो प्रकृति और मनुष्य सहित देवताओं को परेशान तो कर सकती है, लेकिन उनका अंत होता ही है। देवों के देव महादेव इस हेतु ही आए कि वे देवताओं और जगत की राक्षसों से रक्षा कर सके। श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर लक्कड़गंज में चतुर्थ दिवस वैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग की पूजा और अभिषेक यजमान नन्दकुमार भावना पटेल द्वारा किया गया। मुख्य आचार्य पं. विनोद दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र के परली और बिहार की चिताभूमि दो जगह वैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग की पूजा और अभिषेक होता है। चिता भूमि में सावन मास में लाखों कावड़िये गंगा का जल लाकर भगवान शिव को चढ़ाते है और अपनी मनोकामना पूरी करने पर दोबारा आते है। वहीं परली वैद्यनाथ जो कि महाराष्ट्र के वीड जिले में है यहां भी सावन मास में निरंतर उत्सव होते है।

आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा परली के वैद्यनाथ को मान्यता दी गई है। वीड जिले में आंबेजोगाई से केवल 26 किमी दूर पर यह स्थान है। ब्रम्हा वेणु और सरस्वती नदियों के आस पास वसा परली अति प्राचीन गांव है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव और माता पार्वती केवल परली में ही साथ-साथ निवास करते हैं। इसीलिए इस स्थान को अनोखी काशी भी कहते हैं। परली गांव के पहाड़ों में नदियों की घाटियों में उपयुक्त वन औषधियां मिलती हैं, इसी कारण वैद्यनाथ नाम से जाना जाता है। भगवान विष्णु ने देवगणों को अमृत विजय प्राप्त करा दिया था अत: इस तीर्थ स्थान को वैजयंती नाम भी प्राप्त हुआ।

आचार्य पं. विनोद दुबे ने कहा कि ब्रह्मांड में एक ही देव महादेव है कितने राक्षसों का नाश किया। वैद्यनाथ लिंग मूर्ति में धन्वंतरी और अमृत होने के कारण इसे अमृतेष्वर तथा धन्वंतरी भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि शिव भक्त रावण की बर्बादी का श्राप भी यही से शुरू हुआ। यही पर मार्केण्डेय ऋषि को शिव की कृपा से जीवनदान मिला। उनकी अल्पायु को यमराज की पकड़ से षिवजी ने मुक्त किया था। उनकी स्मृति में यहां मार्केण्डेय सरोवर बना हुआ है। वैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग के पूजन और अभिषेक में पं. सत्येन्द्र पांडेय, पं. पीयूष पांडेय निरंतर सहयोग कर रहे है।

अंबे शक्ति गैस एजेंसी को प्लेटिनम डीलरशिप, हेमंत शुक्ला सम्मानित

इटारसी, देशबन्धु। भारत पेट्रोलियम कंपनी ने इटारसी डीलर हेमंत शुक्ला को उनकी सेवाओं में उत्कृष्ट सेवा आम उपभोक्ता को प्रदान करने के लिए प्लेटिनियम डीलर शिप से नवाजा।

कंपनी की ओर से सेल्स मैनेजर चिराग परमार ने मैदानी कार्यकर्ता वीरेंद्र शर्मा, राजकुमार साहू, रामविलास चौरे, ब्रजेश चौरे, सौरव पटेल को सर्वश्रेष्ठ सेवा प्रदान करने पर पुष्पहार और स्मृति चिन्ह उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अम्बे शक्ति एजेंसी की ओर से हॉकर्स को बधाई देते हुए बीपीसीएल कंपनी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रथम अवसर है, हमारे हॉकर्स सम्मानित हो रहे हैं।

सेल्स मैनेजर परमार ने सम्मानित करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और लगन निष्ठा का ही परिणाम है जिसके कारण अंबे शक्ति एजेंसी को आज प्लेटिनम डीलरशिप से नवाजा गया, आप और अधिक मेहनत से सेवा प्रदान करें ऐसी अपेक्षा है। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित राष्ट्रीय कवि संगम के जिला अध्यक्ष सुनील बाजपेई ने एजेंसी की सेवाओं की सराहना करते हुए हॉकर्स की हौसला अफजाई की। पूर्व में सेल्स मैनेजर चिराग परमार का स्वागत जितेंद्र चौधरी ने और अंत में आभार लक्ष्मी नारायण चौरे ने किया।

मेरी माटी मेरा देश : वार्डों से संग्रहित हुई इटारसी की माटी जाएगी राजधानी दिल्ली

इटारसी, देशबन्धु। नगरपालिका परिषद इटारसी द्वारा मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा, पार्षगण व भाजपा कार्यकर्ता, शहर के नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। पहला आयोजन जयस्तंभ चौक पर मिटटी संग्रहण का हुआ। यहां वार्डों से आई मिट्टी को माटी अमृत कलश में संग्रहित किया। यह मिट्टी से भरा हुआ कलश पहले कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम और यहां से दिल्ली भेजा जाएगा। यहां पंच प्रण की शपथ दिलाई गई।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में पौधरोपण और वीर शहीदों की प्रतिमा स्थल पहुंचकर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान, अस्पताल अधीक्षक डॉ राकेश चौधरी, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, एमजीएम कॉलेज जनभागीदारी समिति अध्यक्ष डॉ नीरज जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक अठौत्रा, पार्षद जिमी कैथवास, शुभम गौर, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, भरत वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया, राजकुमार बाबरिया, शहबाज बैग, आशुतोष अग्रवाल, भाजपा पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मंयक मेहतो, नगर महामंत्री राहुल चौरे, शैलेंद्र दुबे, आशीष मालवीय, संदीप तिवारी, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक निर्मल, सोहनलाल बाबरिया, पप्पू तिवारी, गोविंद मेहतो, गौरव बड़कुर, सौरभ मेहरा, शुभम सिंह राठौड़, शुभम पटेल, गोपी बंजारा, आर्यन पटेल, चिंटू सेन, सुधीर गुप्ता, मनीष गालर, दीपू अग्रवाल, सन्नी बतरा, कार्यालय अधीक्षक नपा संजय सोहनी, असलम खान, कमलकांत बड़गोती, जगदीश पटेल, बिट्टू बोहरा, शैलेष योना सहित अन्य मौजूद थे।

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि अभियान के तहत देश-भर में अमृत कलश यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी वार्डों की मिट्टी जिला मुख्यालय पहुंचेगी और यहां से देश की राजधानी दिल्ली भेजा जाएगा।

अस्पताल में किया पौधरोपण-

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में देशी प्रजाति के पांच पौधे लगाए। इस अवसर पर अस्पताल का स्टॉफ भी मौजूद था।

शहीदों को किया नमन-

कार्यक्रम के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल पर पहुंच उन्हें नमन किया। यहां नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने

समाज की इटारसी-नर्मदापुरम इकाई ने किया नवागत सीएमओ का सम्मान

मेहरा समाज महासंघ के सम्मान समारोह में शिक्षा, एकता पर जोर

इटारसी, देशबन्धु। मेहरा समाज महासंघ ने नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती रितु मेहरा का साईंकृपा गार्डन रेस्टॉरेंट के सभागार में एक सादे समारोह में आत्मीय स्वागत किया। उन्हें सम्मान पत्र व स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर मेहरा समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरके मेहरा मुख्य अतिथि थे तथा अध्यक्षता मेहरा समाज महासंघ के नर्मदापुरम जिलाध्यक्ष डॉ.श्रीराम निवारिया ने की। स्वागत उद्बोधन राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक रोहले ने दिया। संचालन गणेश उपरारिया ने किया।

कार्यक्रम में भोपाल से सीताराम मेहरा, हीरालाल गोहिया, मदन मेहरा, सुरेन्द्र मेहरा, राष्ट्रीय महासचिव युवा प्रकोष्ठ दीपक पवार, कार्यकारी अध्यक्ष रोहित नागे, जिला महासचिव गणेश उपरारिया, संगठन सचिव जगदीश जुनानिया उपाध्यक्ष शंकरलाल निवारिया, इटारसी तहसील अध्यक्ष कमलकांत बढ़गोती, ओपी गढ़वाल, जयनारायण नागे, प्रकाश नागे, अधिवक्ता गजेन्द्र नागे, जगदीश गोहिया, अमित नागे, प्रदीप सगोरिया, अजय मेहरा, सौरभ मेहरा, उत्कर्ष नागे, स्पर्श नागे एवं महिला प्रकोष्ठ से जिला अध्यक्ष श्रीमती संगीता निवारिया, श्रीमती कुंदन मेहरा, श्रीमती शशिकला निवारिया, श्रीमती मीना गढ़वाल, श्रीमती देवकी नागे, श्रीमती सरोज नागे, श्रीमती अनिता नागे सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने श्रीमती रितु मेहरा

का स्वागत किया। इस अवसर पर उनकी माताजी का भी शॉल श्रीफल से स्वागत किया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ने घोषणा की कि इस वर्ष भी पिछले वर्ष अनुसार 1 सितंबर 2023 से समाज के बच्चों के लिए निशुल्क बेसिक कंप्यूटर क्लास इटारसी में शुरू की जाएगी। उन्होंने मेहरा समाज के बच्चों से इस नि:शुल्क कम्प्यूटर क्लास को ज्वाइन करने का आग्रह किया। संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष आरके मेहरा ने कहा कि यह हमारे लिय गर्व की बात है कि समाज की बेटी ने अपनी मेहनत के दम पर अच्छा मुकाम हासिल किया और सेवा का रास्ता चुना है। इटारसी-नर्मदापुरम की समिति ने उनके स्वागत में यह कार्यक्रम आयोजित किया, इसके लिए धन्यवाद। समिति कई सामाजिक कार्य करती रही है। उन्होंने कहा कि मप्र में समाज के 35 लाख और पूरे हिन्दुस्तान में 45 लाख लोग हैं। हम चार विधानसभा में राजनीतिक भविष्य तय करने में भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि रितु मेहरा उदाहरण हैं कि हमें अपने बच्चों को हर क्षेत्र में प्रमोट करना चाहिए।

सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा ने कहा कि यह मेरे लिए यादगार दिन और सबसे अच्छा पल है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने हमें शिक्षित और संगठित होने का संदेश दिया है, हम शिक्षित तो हो रहे हैं, लेकिन संगठित होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सफलता में परिवार का सपोर्ट जरूरी है, उनकी सफलता में उनके परिवार का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने उनके स्वागत के लिए मेहरा समाज महासंघ तहसील इटारसी, जिला नर्मदापुरम की पूरी टीम को धन्यवाद दिया। समाज के नरेश बछले ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को ऐसी सफलता से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

भोपाल से आये सीताराम मेहरा ने इस तरह के आयोजन के लिए इटारसी-नर्मदापुरम की समिति को धन्यवाद दिया और सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज से बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देने को कहा। मेहरा समाज महासंघ महिला समिति की जिलाध्यक्ष श्रीमती संगीता निवारिया ने कहा कि श्रीमती रितु मेहरा हमारे बच्चों और समाज के लिए प्रेरणा बनेंगी। उन्होंने समाज से एकजुट और शिक्षित बनने पर जोर दिया। हीरा गोहिया ने भी एकता की सबसे अधिक जरूरत बतायी और आयोजन के लिए समिति को धन्यवाद दिया। उन्होंने श्रीमती मेहरा को उच्च पद तक पहुंचने के लिए शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष डॉ. श्रीराम निवारिया ने कहा कि एकता में ही शक्ति होती है। पृथ्वी पर मनुष्य जाति का आधा भाग, यानी महिलाओं का सम्मान यदि हो रहा है तो इसके लिए श्रीमती सावित्री बाई फुले और ज्योति बा फुले का इसमें योगदान है। सावित्री बाई ने वर्षों पूर्व महिला शिक्षा को प्रोत्साहित किया तो आज रितु मेहरा जैसी बेटियां बड़े पदों तक पहुंच रही हैं, उन्होंने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है, उनको प्रोत्साहन मिलने की, मेहरा समाज महासंघ इस दिशा में कार्य कर रहा है। आभार प्रदर्शन जगदीश जुनानिया ने किया।

भाजपा की वृहद प्रदेश कार्यसमिति बैठक संपन्न, शाह ने कहा-

150 सीटें जीतकर कांग्रेस को करें परास्त

ग्वालियर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश का कार्यकर्ता देवदुर्लभ और अनुभवी कार्यकर्ता है। यहां के कार्यकर्ता के पास लंबा अनुभव है। मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता ने चुनाव जीते भी हैं और जिताए भी हैं। आज हम जिस पद पर भी हैं, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ही हैं। इसलिए यह चुनाव भाजपा के भविष्य का चुनाव है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाकर करोड़ों गरीबों के जीवन में जनसंघ के दीप के उजियारे को प्रदीप्त करने का चुनाव है। हम सभी को मिलकर चुनाव अभियान में जुटना है।

भारतमाता को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए इस चुनाव में हमें 150 सीटें जीतकर कांग्रेस को परास्त करना होगा। यह बात केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को ग्वालियर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की वृहद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। श्री शाह ने इस अवसर पर पार्टी के नए सदस्यता अभियान की शुरुआत भी की।

भाजपा के नए सदस्यता अभियान का शुभारंभ

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का विजय अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। जिस दिन पूरी दुनिया भारत माता के जयकारे लगाएगी, उस दिन यह लक्ष्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता चुनाव जीतने के लिए बने हैं, क्योंकि विजय आपका स्वभाव है, आपका पराक्रम है और विजय ही आपका लक्ष्य है। हमें लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। मैं गारंटी के साथ आपसे कहता हूं कि 30 साल तक मध्यप्रदेश में पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा का भगवा परचम लहराता रहेगा।

छिंदवाड़ा से करें विजय संकल्प अभियान की शुरुआत

श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे अधिक चुनाव जीतने का रिकॉर्ड है। पंचायत से लेकर जिला व विधानसभा चुनाव जीतने का अनुभव है। 2019 में 29 में से 28 जिताने वाला कार्यकर्ता मेरे सामने बैठा है। इसलिए संकल्प लें कि लोकसभा चुनाव में इस बार सबसे पहले छिंदवाड़ा की सीट जीतकर विजय संकल्प अभियान की शुरूआत करेंगे।

इस संकल्प को अगर हमें सिद्ध करना है तो 2023 में डेढ़ सौ से अधिक सीटें जीतकर भाजपा का भगवा एक बार फिर मध्यप्रदेश में लहराना होगा। हमें चुनाव सरकार बनाने के लिए नहीं जीतना है, बल्कि इसलिए जीतना है ताकि बंढाटार और कमलनाथ की सालों तक चुनाव के बारे में सोचने की हिम्मत न हो। उन्होंने कहा कि हम विजय के अधिकारी हैं, हमें चुनाव लड़ना और लड़ाना आता है। हमारा उद्देश्य पवित्र है, हमारे संकल्प में स्व का भाव नहीं है, हमारा संकल्प गरीब कल्याण है। हमें 150 सीटें जीतने के लिए चुनाव लड़ना है। इतना बड़ा चुनाव लड़ना है तो जोश से नहीं होश से काम करना है। मतदाता सूची के हर पेज से 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने का चुनाव लड़ना है।

नहीं चलेंगे जातिवाद, तुष्टिकरण और परिवारवाद

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 2018 में चुनाव हम नहीं हारे थे, एक लाख वोट हमें अधिक मिले थे। इस बार जातिवाद, तुष्टिकरण, परिवारवाद सामने आएगा, लेकिन यह सब चलने वाला नहीं है क्योंकि प्रदेश की जनता कांग्रेस को अच्छी तरीके से जान गई है। इस बार राष्ट्रवाद की विजय होगी। हर पेज प्रमुख के साथ बैठकर 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का संकल्प दिलाना है। यहां से हमें यही संकल्प लेकर जाना है। हमारी विजय बहुत जरूरी है। बैठक को राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव, सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, रामशंकर कठारिया, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, डॉ. वीरेन्द्र खटीक, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। बैठक में राजनैतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया।

भाजपा सरकार के रिपोर्ट काई पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, कहा-

महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते अत्याचारों पर सरकार खामोश

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किए जाने पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा है कि शिवराज सरकार का रिपोर्ट कार्ड केन्द्रीय गृहमंत्री क्यों जारी कर रहे हैं।

वरिष्ठ पार्टी नेता एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। इस सरकार ने अपने रिपोर्ट कार्ड में उन तमाम ज्वलंत समस्याओं महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते हत्याचारों का कोई जिक्र नहीं किया है, जिससे प्रदेश को दो-चार होना पड़ रहा है। इन मुद्दों पर सरकार खामोशी है। उन्होंने कटाक्ष किया कि फेल विद्यार्थी का रिपोर्ट कार्ड कौन देखता है। पूर्व मंत्री तरुण भनोत ने राज्य में अर्थ व्यवस्था की स्थिति बेहतर बताए जाने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश पर लगभग चार लाख करोड़ रुपये कर्ज है। यह पैसा भ्रष्टाचार में जा रहा है। श्री भनोत ने कहा कि पिछले चार माह से निराश्रित पेंशन और संविदा शिक्षकों को वेतन नहीं मिला है। अपने हिस्से की 40 प्रतिशत राशि नहीं देने के कारण केंद्र ने कई योजनाओं में राशि देनी बंद कर दी है।

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा कह रही है कि प्रदेश में किसान समृद्ध हो गया है, जबकि प्रदेश किसानों की खुदकुशी के मामले में देश में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने रिपोर्ट कार्ड में यह नहीं बताया कि राज्य में एक करोड़ से अधिक युवा बेरोजगार हैं।

मजदूरों के हित में सर्वाधिक योजनाएँ अमल में लाने वाला राज्य बना मध्यप्रदेश

भोपाल, देशबन्धु। मजदूरों के लिए मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना सहित 22 प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के संचालन के साथ मध्यप्रदेश मजदूर परिवारों के हित में सर्वाधिक योजनाएँ अमल में लाने वाला राज्य बन गया है। इन योजनाओं का लाभ देने के लिए श्रम सेवा पोर्टल काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना में पिछले डेढ़ दशक में 5 लाख 25 हजार मजदूरों को 4917 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। अब तक एक करोड़ 61 लाख मजदूरों का पंजीयन किया गया है। कोविड संक्रमण के कठिन समय में श्रमिक परिवारों को इन योजनाओं से भरपूर मदद मिली थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों पर श्रमिक बन्धुओं के लिए प्रदेश में सर्वाधिक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इनमें अनुग्रह सहायता, स्थाई एवं अस्थाई रूप से अपंग होने पर सहायता, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण बोर्ड के अंतर्गत श्रमिकों को शैक्षणिक छात्रवृत्ति योजना, शिक्षा पुरस्कार योजना, रियायती मूल्य पर कॉपी वितरण योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, कल्याणी सहायता योजना, मुख्यमंत्री जन-कल्याण प्रसूति सहायता योजना, कक्षा दसवीं और 12 वीं के लिए सुपर-5000 योजना, सायकिल और उपकरण खरीदने के लिए अनुदान योजना, उत्तम श्रमिक पुरस्कार योजना, श्रमिक साहित्य पुरस्कार योजना, अनुग्रह सहायता योजना जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022 में श्रम कल्याण मंडल की विभिन्न योजनाओं में 6646 श्रमिकों को 4 करोड़ 30 लाख 67 हजार रुपए की सहायता दी गई। चालू वित्त वर्ष में अब तक मंडल की विभिन्न योजनाओं में 2043 मजदूरों को एक करोड़ 41 लाख 18 हजार रुपए की सहायता दी गई है। इन योजनाओं के प्रारंभ से अब तक 5 लाख 86 हजार मजदूरों को रू. 35 करोड़ 77 लाख की सहायता दी गई। मध्यप्रदेश स्लेट पेंसिल कर्मकार कल्याण मंडल के माध्यम से 2008-09 से 2022-23 तक 17 हजार 274 श्रमिकों को 8 करोड़ 55 लाख रूपये की सहायता दी गई।

मुख्यमंत्री आज 5 हजार 580 नवनियुक्त शिक्षकों को देंगे नियुक्ति बधाई पत्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 21 अगस्त को नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति बधाई पत्र देंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण एवं प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में नवनियुक्त शिक्षकों को उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर अध्यापन में उत्कृष्टता एवं शिक्षा में नवीन आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित भी करेंगे।

नवनियुक्त शिक्षकों का प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम भोपाल के भेल (बरखेड़ा) स्थित सीएम राइज शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे होगा। इसमें सत्र 2023-24 में नवनियुक्त 5 हजार 580 शिक्षकों को नियुक्ति बधाई पत्र दिये जायेंगे। कार्यक्रम में मंत्री जनजातीय कार्य विभाग सुश्री मीना सिंह एवं स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के नवनियुक्त शिक्षक सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण भी किया जायेगा।

चांद से महज कुछ किमी की दूरी पर चंद्रयान-3 का लैंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। चंद्रयान-3 मिशन का लैंडर मॉड्यूल रविवार को डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) से गुजरते हुए चंद्रमा के और करीब आ गया है। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) की 23 अगस्त की शाम को चंद्रमा की सतह पर पहुंचने की उम्मीद है। इसरो ने ट्वीट कर कहा, चंद्रयान-3 आगामी 23 अगस्त 2023 को लगभग शाम 6:04 बजे चंद्रमा पर उतरने के लिए तैयार है। आप सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग होने के बाद लैंडर अब खुद ही आगे की यात्रा कर रहा है और ये चांद से महज 25 किमी की दूरी पर चक्कर लगा रहा है।

इससे पहले 18 अगस्त को लैंडर मॉड्यूल डीबूस्टिंग से गुजरते हुए चंद्रमा की थोड़ी निचली कक्षा में उतर गया था। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन रविवार देर रात दो बजे पूरा हुआ, जिससे इसकी कक्षा 25 किमी×134 किमी तक कम हो गई।

लैंडर मॉड्यूल को प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग करने की कवायद से पहले इसे छह, नौ, 14 और 16 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में नीचे लाने की प्रक्रिया की गई थी। ताकि ये चंद्रमा की सतह के नजदीक आ सके।

इसरो ने चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल पर लगे कैमरों से ली गईं चंद्रमा की कई तस्वीरें भी जारी की हैं। अब 23 अगस्त को चांद पर इसकी सॉफ्ट लैंडिंग कराने का प्रयास किया जाएगा।

लोक सभा चुनाव के लिए भाजपा ने तैयारी तेज की

65 से ज्यादा सांसदों के कट सकते हैं टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। विपक्षी एकता और एकजुटता की संभावनाओं के बीच भाजपा देशभर में अपने वर्तमान सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर फिर से चुनाव जीत सकने वाले सांसदों की लिस्ट को अंतिम रूप देने में जुटी है। दरअसल, 2019 के पिछले लोक सभा चुनाव में भाजपा को 303 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। वर्तमान में लोक सभा में भाजपा के पास 301 सांसद हैं, लेकिन सूत्रों की मानें तो इनमें से 65 से ज्यादा सांसदों की रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छी नहीं है। ऐसे में एंटी-इनकंबेंसी से बचने के लिए भाजपा इन सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने यानी वर्तमान सांसदों का टिकट काटने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इनमें से कुछ सांसदों का संसदीय क्षेत्र भी बदला जा सकता है।

मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजपा ने इसी वर्ष 30 मई से 30 जून तक देशभर में एक विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया था, जिसमें पार्टी के सभी सांसदों को जुट जाने को कहा गया था। पार्टी के कई सांसदों ने इस कार्यक्रम में पूरे मन से भाग नहीं लिया, जिसकी वजह से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को वर्चुअली बैठक कर उन सांसदों को फटकार भी लगानी पड़ी थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा संसदीय दल की बैठक में कई बार सांसदों को फटकार लगाते हुए यह कह चुके हैं कि या तो वो अपना रवैया बदलें या फिर बदले जाने के लिए तैयार रहें। पिछले कुछ महीनों के दौरान देश भर में पार्टी संगठन द्वारा टिफिन बैठक सहित, कई अन्य महत्वपूर्ण अभियान चलाए गए, उसमें भी कई सांसद पार्टी की उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुटा पाए थे।

2019 के लोक सभा चुनाव में विपक्ष के हाई प्रोफाइल नेताओं को हराने वाले कई सांसदों को भी इस बार अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में जाकर लोगों से संपर्क करने और स्थानीय संगठन के नेताओं से बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। संदेश बिल्कुल साफ है कि अगर उनकी रिपोर्ट कार्ड में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी उनका टिकट काटने में भी संकोच नहीं करेगी।

उत्तर प्रदेश से जिन सांसदों पर टिकट कटने की तलवार लटक रही है, उसमें कई ऐसे सांसद भी हैं जो वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। सूत्रों की मानें तो भाजपा ने चुनाव जीत सकने वाले कई ऐसे नेताओं की भी अलग से एक लिस्ट बनाई है जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश में विधायक हैं और उनमें से कई योगी सरकार में मंत्री हैं या योगी सरकार में पहले मंत्री रह चुके हैं। यूपी की कई सीटों पर पार्टी अपने वर्तमान सांसदों का टिकट काटकर इन्हें चुनावी मैदान में उतार सकती है।

बयान से चर्चा में रहने वाले का टिकट भी मुश्किल में

बिहार की बात करें तो पार्टी अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले एक वर्तमान केंद्रीय मंत्री का टिकट भी 2024 के लोक सभा चुनाव में काट सकती है। हालांकि वह अपना संसदीय क्षेत्र बदलने की गुहार आलाकमान से लगा रहे हैं।

बिहार से टिकट कटने वाले सांसदों की लिस्ट में तीन पूर्व केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। दिल्ली में पार्टी अपने एक पूर्व दिवंगत केंद्रीय मंत्री के परिवार के सदस्य को लोक सभा चुनाव में उतार सकती है। दिल्ली के एक लोक सभा सांसद को पार्टी दूसरे राज्य से चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है तो वहीं दो अन्य सांसदों के टिकट काटने की भी तैयारी चल रही है।

हरियाणा में पार्टी इस बार 5 सीटों पर उम्मीदवार बदलने की तैयारी कर रही है। तो वहीं इसके साथ ही भाजपा मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, असम, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल और यहां तक कि अपने सबसे मजबूत गढ़ गुजरात में भी कई वर्तमान सांसदों का टिकट काटने जा रही है।

नीमच में विधान सभा प्रमुख सचिव का हुआ आत्मीय स्वागत

समाज सेवा जीवन का उत्कृष्ट कार्य : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। प्रमुख सचिव म.प्र.विधान सभा अवधेश प्रताप सिंह 21 अगस्त से उदयपुर में आयोजित राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के भारत प्रक्षेत्र सम्मेलन में भाग लेने जाते समय आज अल्प प्रवास पर नीमच पहुँचे, जहां उनका समाजसेवी संगठन रोटरी डायमंड क्लब नीमच के पदाधिकारियों एवं ज़िला प्रशासन द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। प्रमुख सचिव श्री सिंह जो स्वयं अनेक समाजसेवी संस्थाओं से जुड़े हुए हैं,ने कहा कि समाज सेवा उत्कृष्ट कार्य है इससे जीवन में सन्तुष्टता व शांति आती है तथा जो हमें जीवन में हासिल हुआ उसमे से कुछ सेवा द्वारा समाज के ज़रूरतमंदों को लौटाने का अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर नीमच रोटरी क्लब अध्यक्ष रो.सौरभ शर्मा,पूर्व अध्यक्ष आशीष गर्ग,राहुल खंडेलवाल, निवर्तमान अध्यक्ष दीपक एयरेन,रो.मनीष गर्ग,पूजा गर्ग,पूनम गर्ग सहित समाजसेवी उपस्थित थे।श्री सिह यहाँ से साँवरिया प्राकट्य मंदिर में दर्शन करते हुए उदयपुर पहुँचेंगे।

बरसात न होने से बड़े पैमाने पर मंडराया सूखे का खतरा

चेन्नई, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 8 जून को केरल के तटों पर दस्तक दी, लेकिन तब से मानसून की प्रगति निराशाजनक रही है और राज्य पर सूखे का खतरा मंडरा रहा है। राज्य में 8 जून को पहली मानसूनी बारिश के बाद पिछले ढाई महीने से राज्य में लुका-छिपी का खेल चल रहा है। यहां जून से अगस्त के मध्य तक सबसे ज्यादा बारिश होती है। जो 2023 में बहुत कम रही है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून से 15 अगस्त तक राज्य में औसत 1556 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस साल 877.1 मिमी बारिश ही दर्ज की गई। इसका मतलब है कि 44 फीसदी कमी रही। जून में बारिश की भारी कमी थी और मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में 60 प्रतिशत की कमी थी, जबकि जुलाई में बारिश बेहतर थी और कमी केवल 9 प्रतिशत थी। हालांकि अगस्त की स्थिति बदतर है क्योंकि राज्य के कई इलाकों में अगस्त में बारिश नहीं हुई है। केरल में 1 अगस्त से 15 अगस्त तक सामान्यत: 254.6 मिमी की बजाय केवल 25.1 मिमी बारिश हुई। इस प्रकार लगभग 90 प्रतिशत बारिश की कमी हुई। केरल में आम तौर पर अगस्त के दौरान बारिश चरम पर होती है जो मलयालम महीना कारकिदाकम है और आयुर्वेद उपचार के लिए उपयुक्त है। हालांकि बारिश नहीं होने से राज्य में बड़े पैमाने पर सूखे का खतरा मंडरा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा सरकार ने मप्र को.... बिजली और पानी की समस्या दूर हुई, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन और विकास के सभी मापदंडों पर प्रदेश को आगे बढ़ाया। प्रदेश की जनता ने भी दिल खोलकर वोट दिये। 2019 में 29 में से 28 सीटें भाजपा को दीं और 2024 में जो एक सीट की कमी रह गई है, वो भी जनता पूरी कर देगी। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव प्रदेश को विकसित और सर्वोच्च राज्य बनाने तथा गरीबी से संपूर्ण मुक्ति दिलाने वाला चुनाव है और मुझे पूरा विश्वास है कि प्रदेश की 9 करोड़ जनता का आशीर्वाद हमें मिलेगा।

14 करोड़ लोग गरीबी रेखा.... मध्यप्रदेश को भी मिला। बंटाढार सरकार ने राज्य के बजट को 23000 करोड़ पर छोड़ दिया था, जिसे शिवराज की सरकार ने 3.14 लाख करोड़ तक पहुंचाया है। बंटाढार के समय शिक्षा का बजट 2456 करोड़ था, जिसे 38000 करोड़ तक पहुंचाया। स्वास्थ्य का बजट 580 करोड़ था, जिसे 16 हजार करोड़ तथा सर्व शिक्षा अभियान का बजट जो 844 करोड़ था, उसे 66 हजार करोड़ तक पहुंचाया। मि. बंटाढार और कमलनाथ को यह बताना चाहिए कि प्रदेश की आबादी का बड़ा हिस्सा एससी, एसटी और ओबीसी का है, इनके बजट को क्यों 1056 करोड़ पर छोड़ दिया था? भाजपा सरकार ने इसे 64390 करोड़ तक पहुंचाया। प्रति व्यक्ति आय 11700 से बढ़कर 1.40 लाख रुपये हो गई। बंटाढार सरकार के समय प्रदेश की सड़कें बदनाम थीं, भाजपा की सरकार ने 5.10 लाख कि.मी. अच्छी क्वालिटी की सड़कें बनाईं और राष्ट्रीय राजमार्ग जो सिर्फ 4800 किलोमीटर थे, उन्हें 13000 किलोमीटर तक पहुंचाया।

अब संपूर्ण विकास पर.... ही मोदी सरकार ने प्रदेश के 80 लाख घरों में शौचालय बनाए हैं, तो 1.2 करोड़ प्रधानमंत्री अन्न योजना के कॉर्ड बनाए हैं। 10.87 लाख गैस सिलेंडर बांटे गए हैं। 42 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाए गए हैं। 4000 कि.मी. नए राजमार्ग बनाए जा रहे हैं। रीवा, ग्वालियर और जबलपुर एयरपोर्ट का विकास हो रहा है, 35 रेल्वे स्टेशन विश्वस्तरीय बनाए जा रहे हैं। प्रदेश की विकास दर 16 प्रतिशत हो गई है और सिंचाई क्षमता 47 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गई है। प्रदेश की 46 लाख बेटियां लाडली लक्ष्मी बन चुकी हैं। प्रदेश में 24 मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं और मेडिकल, इंजीनियरिंग तथा पॉलीटेक्निक की पढ़ाई हिंदी में शुरू कराई जा रही है। भोपाल और इंदौर शहरों में मेट्रो रेल का काम तेजी से चल रहा है। ओंकारेश्वर में 2400 करोड़ की लागत से आदि शंकराचार्य अद्वैत स्मारक बनाया जा रहा है, तो उज्जैन में महाकाल महालोक बनकर तैयार हो चुका है। श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने आदिवासियों को उनके अधिकार देने के लिए पेसा एक्ट लागू किया है तथा जनजातीय इतिहास को संजोने के लिए संग्रहालय बनाए जा रहे हैं। जनजातीय क्रांतिवीरों और जननायकों की स्मृतियों को संजोने के लिए रेलवे स्टेशनों के नाम उनके नाम पर रखे जा रहे हैं।

मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने.... 4.8 प्रतिशत हो गया है। हमने प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया है और सिंचाई के क्षेत्र में तो चमत्कार हो गया है। श्री चौहान ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रदेश की प्रगति को नई दिशा और गति मिली है। डबल इंजन वाली सरकार ने विकास के नए प्रतिमान गढ़ दिए हैं। पहले जहां एक पंचायत को गिनती के ही आवास मिला करते थे, वहीं अब हर पंचायत औसत 122-23 प्रधानमंत्री आवास मिल रहे हैं। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में प्रदेश में अभूतपूर्व काम हुआ है। प्रदेश की विकास दर 16 प्रतिशत से ऊपर है, लेकिन हम इससे संतुष्ट नहीं हैं। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2047 तक देश को दुनिया को सबसे समृद्ध, गौरवशाली, वैभवशाली और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने तथा देश को पांच ट्रिलियन इकॉनॉमी बनाने का संकल्प लिया है। इसे पूरा करने में मध्यप्रदेश कोई कसर नहीं छोड़ेगा और हमने भी इसमें भागीदारी करते हुए प्रदेश को 550 बिलियन की इकॉनॉमी बनाने का लक्ष्य तय किया है।

विकास के रास्ते पर आगे.... आभार जताता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार देश और प्रदेश को लगातार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा रही है और यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे पास ऐसी सशक्त सरकार है, जो अपने निर्णयों को लागू करने में सक्षम है।

कांग्रेस में हिम्मत है तो.... 53 सालों में उनकी सरकारों ने प्रदेश के लिए क्या किया? क्यों प्रदेश की जनता के साथ अन्याय किया? क्यों मध्यप्रदेश का काफिला लूटा? श्री शाह ने कहा कि बंटाढार और कमलनाथ की उस सरकार ने भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की सारी योजनाएं बंद कर दीं थी और गरीब कल्याण अभियान को अपाहिज बना दिया था। उस सरकार ने सहरिया, भारिया और बैगा बहनों को मिलने वाला पोषण अनुदान बंद कर दिया था।

चीन की सेना लद्दाख में.... कांग्रेस नेता ने आगे कहा, सभी लोग कह रहे हैं कि बेरोजगारी और महंगाई है। अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, मुझे लद्दाख आना था, लेकिन कुछ कारणों से मैं यहां नहीं आ सका। इसलिए, मैं उनकी परेशानियों को सुनने के लिए यहां आया हूं। कांग्रेस सांसद ने तमिलनाडु के कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। पार्टी ने कहा कि यात्रा उसके सबसे निर्णायक जन संपर्क कार्यक्रमों में से एक थी।

सोनिया, राहुल, प्रियंका शालिम, थरूर.... सचिन राव, मनीष चैतरथ तथा देवेंद्र यादव को शामिल किया गया है। विशेष आमंत्रित सदस्यों में पल्लमराजू, पवन कुमार खेड़ा, गणेश गोदियाल, के सुरेश, यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, प्रणीति शिंदे, अलका लांबा और वी चंद रेड्डी को स्थाई आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। पार्टी ने अपने चारों संगठनों युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास वीबी, एनएसयूआई के अध्यक्ष नीरज कुंदन, महिला कांग्रेस की प्रमुख नित्ता डिसूजा तथा सेवा दल के प्रमुख लालजी देसाई को समिति का पदेन सदस्य बनाया है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।